



SHIVAJI COLLEGE

UNIVERSITY OF DELHI



ACCREDITED BY NAAC WITH 'A' GRADE
DBT STAR COLLEGE



PROSPECTUS
2024-2025





प्राचार्य संदेश



प्रिय विद्यार्थियों,

मैं आपको हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और हमारी प्रतिष्ठित संस्था में आपका स्वागत करता हूँ। शिवाजी कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में, मैं आपको उस जीवंत शिक्षण समुदाय से परिचित कराते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूँ जो आपका इंतजार कर रहा है। शिवाजी कॉलेज की स्थापना सन् 1961 में

तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री, प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और किसान-नेता माननीय डॉ. पंजाबराव देशमुख द्वारा की गई थी। शिवाजी कॉलेज का नाम महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखा गया है और यह उनके दृष्टिकोण और आदर्शों को जीवित रखने के लिए समर्पित है। सत्र 2023-24 कॉलेज और राष्ट्र के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष था, क्योंकि हमने शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 350वीं वर्षगांठ मनाई थी।

कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों ने महान योद्धा के अमूल्य योगदान, प्रबंधन, रणनीति और शासन कला जैसे समकालीन विषयों में उनकी तीव्र प्रासंगिकता को प्रदर्शित करने के लिए अभिलेखागार का पुनः अवलोकन किया। कॉलेज आने वाले वर्षों में इस विरासत को जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि हम अपने छात्रों को राष्ट्र-निर्माण में भाग लेने के लिए प्रशिक्षित करते हैं। शिवाजी कॉलेज नैक द्वारा “ए” ग्रेड मान्यता प्राप्त शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र है। शिवाजी कॉलेज स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर मानविकी, विज्ञान और वाणिज्य में विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कॉलेज राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी2020) के उद्देश्यों और विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करता है जिसे स्नातक पाठ्यक्रम ढांचे (यूजीसीएफ 2022) में लागू किया गया है। पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला जिसमें डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर (डीएससी), डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (डीएसई), जेनेरिक इलेक्टिव (जीई), एबिलिटी एनहांसमेंट कोर्स (ईसी), वैल्यू एडिशन कोर्स (वीसी) और स्किल एनहांसमेंट कोर्स (एसईसी) शामिल हैं, द्वारा डिजाइन किया गया है। इसके अलावा, कॉलेज ऐसे छात्रों के लिए जो पाठ्यक्रम से परे सीखना चाहते हैं, उनके लिए ऐड-ऑन पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं। कॉलेज ऐसे विद्यार्थियों के लिए जिन पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है। उनके लिए उपचारात्मक कक्षाएं भी प्रदान करता है। शिवाजी कॉलेज में, छात्रों को पाठ्येतर गतिविधियों, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला का पता लगाने का अवसर मिलता है जो एक पूर्ण कॉलेज अनुभव में योगदान करते हैं। एनएसएस, एनसीसी, इको-क्लब, महिला विकास प्रकोष्ठ, नृत्य, ललित कला, फोटोग्राफी और नाटक में उत्कृष्टता के लिए समर्पित कुछ ऐसी समितियां हैं, जहां छात्र अपने कौशल को निखारते हैं, अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। हमारी अत्याधुनिक सुविधाएं समाज और समुदाय में बदलाव लाने के लिए एक गतिशील और इंटरैक्टिव शिक्षण वातावरण का समर्थन करती हैं। नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देती हैं। कॉलेज छात्रों के लिए विभिन्न सम्मेलन, कार्यशालाएं, सेमिनार, अनुसंधान अवसर, आउटरीच गतिविधियां और प्लेसमेंट ड्राइव भी आयोजित करता है। शिवाजी कॉलेज में हम प्रत्येक छात्र की क्षमता का पोषण करने, उसकी आकांक्षाओं को प्राप्त करने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए उनका मार्गदर्शन करने में विश्वास करते हैं। हमारे पूर्व छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल की है, और हमें उनकी उपलब्धियों पर गर्व है, जो शिवाजी कॉलेज में उन्हें मिली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समर्थन का प्रमाण है।

मैं आपको शिवाजी कॉलेज द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करता हूँ। मुझे विश्वास है कि उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, हमारा सहायक समुदाय और हमारा प्रगतिशील दृष्टिकोण आपको अपने प्रयासों में सफल होने के लिए आवश्यक आधार प्रदान करेगा।

मैं शिवाजी परिवार में उत्साही, जिज्ञासु छात्रों के एक और बैच का स्वागत करने के लिए उत्सुक हूँ।





शिवाजी कॉलेज का प्रतीक



शिवाजी कॉलेज का प्रतीक चिन्ह ज्ञान और प्रकाश के उगते सूरज का प्रतिनिधित्व करता है, जो मानव विवेक को जागृत करने के लिए अज्ञानता के अंधेरे को दूर करता है। कमल कला, संस्कृति और सुंदरता का प्रतीक है, जो बुराई के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है। गेहूँ के दो डंठल समृद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह प्रतीक चिह्न प्रकृति के साथ मनुष्य के मिलन को दर्शाता है और संपूर्ण मानव जाति के लिए समृद्ध जीवन के दृष्टि का प्रतीक है। कॉलेज के आदर्श वाक्य “अमृतं तु विद्या” के अनुरूप, प्रतीक चिह्न दर्शाता है कि विद्या अमृत के समान है, जो सदा जीवित रहती है और मनुष्य को सजग रखती है।

संपादकीय समिति





कुलसचिव
REGISTRAR

दिल्ली विश्वविद्यालय University of Delhi

PRESS RELEASE

Allocation-cum-Admission schedule for Undergraduate admissions for the Academic Session 2024-25.

The schedule for allocation-cum-admission to all Undergraduate programs of all colleges of University of Delhi for the Academic Session 2024-25 is as under: -

1. Commencement of Phase II of CSAS

After the declaration of results of the Common University Entrance Test (CUET)-UG by the National Testing Agency, the University announces the commencement of Phase-II of Common Seat Allocation System (UG)-2024 (CSAS-UG) from **Thursday, August 01, 2024.**

In this phase, the candidates who had successfully completed the Phase-I must login to their dashboard (<https://ugadmission.uod.ac.in>) to choose their preferred Programs and college combination, subject to fulfillment of the eligibility criteria.

Candidates who have still not registered themselves on the CSAS portal will also be able to register as the University has decided to keep both the phases open till **04:59p.m. Wednesday, August 07, 2024.** Phase-I and Phase-II will close at **04:59p.m. Wednesday, August 07, 2024** and the preferences saved/submitted by the candidate will get auto-locked on reaching the deadline of **05:00 pm Friday, August 09, 2024.**

2. Calculation of Program-Specific merit score

In Phase-II, the Candidates will have to map the subjects studied by them in Class XII to those in which they have appeared in CUET-2024. Only those CUET Papers will be considered in which the candidates have passed his/her Class XII board exam. Candidates must refer to the Bulletin of Information for details related to similarity of the subjects. It will be the sole responsibility of the candidate to provide correct subject-mapping. The decision of university in this regard shall be final and binding.

Note: General Test of CUET(UG)-2024 will not be mapped to any subject.

Handwritten signature
01/08/24

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
University of Delhi, Delhi-110007

दूरभाष/Tel. : 27667853; फ़ैक्स/Fax : 27666350; वेबसाइट/Website www.du.ac.in; ईमेल/E-mail : registrar@du.ac.in

3. CSAS (UG) – 2024 Allocation-cum-Admission Schedule

	TASK	TIME AND DATES
	Correction Window for Candidates already registered in Phase I of CSAS.	Tuesday, July 30, 2024 till 11:59pm Sunday, August 04, 2024
PHASE I & PHASE II OF CSAS	Preference – Filling for Program and Colleges in CSAS	Thursday, August 01, 2024 till 04:59pm Wednesday, August 07, 2024
	CSAS Auto-locks the Preferences	05:00pm Friday, August 9, 2024
DISPLAY OF SIMULATED RANK	Declaration of Simulated Ranks	05:00pm Sunday, August 11, 2024
	Preference Change Window	05:00pm Sunday, August 11, 2024 till 11:59pm Monday, August 12, 2024
	Declaration of First CSAS Allocation List	05:00pm Friday, August 16, 2024
FIRST ROUND OF CSAS ALLOCATION AND ADMISSION	Candidates to “Accept” the Allocated Seat	05:00pm Friday, August 16, 2024 till 04:59pm Sunday, August 18, 2024
	College to Verify and Approve the online applications	05:00pm Friday, August 16, 2024 till 04:59pm Tuesday, August 20, 2024
	Last date of Online Payment of Fees by Candidates	till 04:59pm Wednesday, August 21, 2024
SECOND ROUND OF CSAS ALLOCATION AND ADMISSION	Display of vacant Seats on the dashboard of the candidates	05:00pm Thursday, August 22, 2024
	Window to Re-order Higher Preferences	05:00pm Thursday, August 22, 2024 till 04:59pm Friday, August 23, 2024
	Declaration of Second CSAS Allocation	05:00pm Sunday, August 25, 2024
	Candidates to “Accept” the Allocated seat	05:00pm Sunday, August 25, 2024 till 04:59pm Tuesday, 27, 2024
	College to Verify and Approve the online applications	05:00pm Sunday, August 25, 2024 till 04:59pm Thursday, August 29, 2024
	Last date of Online payment of fees by the candidate	till 04:59pm Friday, August 30, 2024

The University may announce more rounds subject to the availability of vacant seats, if any.

Handwritten signature/initials

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
University of Delhi, Delhi-110007

दूरभाष/Tel. : 27667853; फ़ैक्स/Fax : 27666350; वेबसाइट/Website www.du.ac.in; ईमेल/E-mail : registrar@du.ac.in

4. Public Awareness Webinars

The Admission Branch has established helpdesks Chat-Bot and email facility to help prospective students resolve their queries.

Helpdesks have also been established at various Colleges. Details are available on the admission website of the University: <http://admission.uod.ac.in>

The Admission Branch will also be conducting series of webinars to help candidates with the process of admissions. To explain the process of filing the preferences, aspects related to mapping Class XII subjects with CUET papers, and other important points will be addressed in a webinar scheduled on Friday, August 02, 2024, 12:00 noon.

All webinars will be telecasted live on the official YouTube channel of the University: UnivofDelhi

Candidates are advised to read the Undergraduate Bulletin of Information 2024, CSAS 2024 rules, and visit the admission website of the University regularly for all updates.

1. Undergraduate Bulletin of Information 2024.
2. Common Seat Allocation System 2024.
3. Admission website: <http://admission.uod.ac.in>
4. CSAS Registration Link: <https://ugadmission.uod.ac.in>

the, August 01, 2024


REGISTRAR



दिल्ली विश्वविद्यालय UNIVERSITY OF DELHI

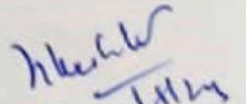
Acad.I/299/Academic Calendar/

Dated 02.08.2024

NOTIFICATION

The Academic Calendar to be followed for the first year of Undergraduate Courses for the academic session 2024-25, is hereby notified for necessary compliance by all concerned:

Semester I	
Classes Begin	29 th August, 2024 (Thursday)
Mid Semester Break	27 th October, 2024 (Sunday) to 3 rd November, 2024 (Sunday)
Classes began after Mid Semester Break	4 th November, 2024 (Monday)
Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin	24 th December, 2024(Tuesday)
Theory examinations begin	6 th January, 2025(Monday)
Winter Break	25 th January, 2025 (Saturday)
Semester II	
Classes begin	27 th January, 2025(Monday)
Mid Semester Break	9 th March, 2025 (Sunday) to 16 th March, 2025 (Sunday)
Classes begin after Mid semester break	17 th March, 2025 (Monday)
Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin	25 th May, 2025 (Sunday)
Theory Examination Begin	7 th June, 2025, (Saturday)
Summer Vacation	29 th June, 2025 (Sunday) to 20 th July, 2025 (Sunday)


REGISTRAR

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	शिवाजी कॉलेज: शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र	01
2.	शिक्षा से परे जीवन	14
3.	2024-2025 मे प्रवेश उपलब्ध पाठ्यक्रम और स्वीकृत संख्या	20
4.	2024- 25 के तहत प्रवेश के लिए सामान्य दिशा निर्देश	21
5.	विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयोजन	23
6.	दिल्ली विश्वविद्यालय - अतिरिक्त (सुपरन्यूमेरी) कोटा के माध्यम से प्रवेश	29
7.	प्रवेश के समय अपलोड किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों की सूची	30
8.	प्रवेश समितियां	30
9.	खेल और ईसीए(पाठ्येत्तर गतिविधियां) सीट मेट्रिक्स	31
10.	यूजीसीएफ स्ट्रक्चर (संरचना) 2024- 25	32
11.	मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	34
12.	विभाग	35
13.	शिक्षक प्रभारी: 2024-25	45
14.	प्रशासन	46
15.	छात्रवृत्ति और छात्र सहायता	47
16.	अध्यादेश	48
17.	पहचान पत्र	55
18.	शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के लिए शुल्क संरचना	56



शिवाजी कॉलेज: शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र



कॉलेज के बारे में

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रतिष्ठित कॉलेज है जो, दिल्ली प्रशासन द्वारा शासित है। यह एक सह-शैक्षिक संस्थान है, जो स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर मानविकी, विज्ञान और वाणिज्य में विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

शिवाजी कॉलेज पश्चिमी दिल्ली का एक प्रमुख संस्थान है, जो नैक द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त है। इंडिया टुडे द्वारा सन् 2017 में किए गए एक सर्वेक्षण में इसे देश के 10 शीर्ष विज्ञान कॉलेजों में से एक के रूप में स्थान दिया गया था। 2024 में, शिवाजी कॉलेज ने NIRF रैंकिंग में 70 से 49 तक की शानदार उपलब्धि प्राप्त की है।

शिवाजी कॉलेज की स्थापना सन् 1961 में प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और किसान-नेता माननीय डॉ. पंजाब राव देशमुख, तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा की गई थी। इसकी स्थापना मुख्य रूप से कृषि प्रधान क्षेत्र में उच्च शिक्षा की जरूरतों और आदर्शों को पूरा करने के लिए की गई थी। अपनी स्थापना के कुछ वर्षों तक, कॉलेज मटियाला गांव में एक अस्थाई भवन में संचालित होता था। सन् 1967 में इसे दिल्ली सरकार ने अपने संरक्षण में ले लिया और करमपुरा में स्थानांतरित कर दिया। अंततः सन् 1976 में कॉलेज अपने वर्तमान परिसर राजा गार्डन में स्थानांतरित हो गया।

शिवाजी कॉलेज विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी में बीस स्नातक पाठ्यक्रम, बिजनेस इकोनॉमिक्स में स्नातक में एक स्व- वित्तपोषित पाठ्यक्रम, तीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और जर्मन में एक ऐड-ऑन पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कई वरिष्ठ संकाय सदस्य पीएच.डी. का शोध निर्देशन करते हैं। साथ ही विद्वान दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ पंजीकृत हैं, जबकि कुछ यूजीसी द्वारा प्रायोजित प्रमुख और छोटी अनुसंधान परियोजनाओं में संलग्न हैं। कॉलेज के छात्र अक्सर विश्वविद्यालय परीक्षाओं में रैंक-धारक बनकर उभरते हैं और कई को प्रतिष्ठित संगठनों में इंटरनशिप के लिए रखा जाता है। ग्रामीण दिल्ली में एक छोटे से क्षेत्र में अपनी स्थापना के बाद से, कॉलेज ने सन् 2024 में 10 एकड़ क्षेत्र में फैले परिसर के साथ एक लंबा सफर तय किया है, जिसका उपयोग शैक्षणिक उद्देश्यों, आवासीय परिसर और खेल मैदान के लिए किया जाता है। शिक्षण और प्रशासनिक ब्लॉकों का कुल निर्मित क्षेत्र 10,002 वर्ग मीटर है। यहां 46 व्याख्यान कक्ष हैं, जिनमें से अधिकांश में मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन सुविधाएं हैं। इसके अलावा, 6 ट्यूटोरियल कक्ष और 14 विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं। सभी आवश्यक सॉफ्टवेयर के साथ 4 कंप्यूटर प्रयोगशालाएं हैं। इसके अलावा नए जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक का उद्घाटन 19 फरवरी, 2024 में किया गया था। इसमें 6 अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, एक बहुउद्देशीय हॉल, मल्टीमीडिया सुविधाओं के साथ 3 सभागार, 12 स्मार्ट व्याख्यान कक्ष, 8 अनुसंधान प्रयोगशालाएं, 4 स्टाफ कक्ष और लिफ्ट हैं। शहर के संपन्न हिस्से में स्थित होने के बावजूद, शिवाजी कॉलेज परिसर ऊंचे पेड़ों के साथ बेहद हरा-भरा है। कॉलेज परिसर के भीतर एक हर्बल गार्डन गौरव का विषय है। शिवाजी कॉलेज के शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक सदस्य और विद्यार्थी कॉलेज परिसर को हरित क्षेत्र बनाने में गर्व महसूस करते हैं। परिसर में प्लास्टिक पर प्रतिबंध, धूम्रपान पर प्रतिबंध और वाहन प्रवेश वर्जित है। परिसर में कार्बन प्रिंट को कम करने के लिए, गैर-नवीकरणीय संसाधनों के उपयोग को सीमित करना, सौर पैनलों, जल-संचयन गड्ढों और कागज-रीसाइक्लिंग इकाई जैसे वैकल्पिक स्रोतों पर निर्भरता इस क्षेत्र में लागू किए गए कुछ सर्वोत्तम उपाय हैं। शिवाजी कॉलेज उचित अपशिष्ट निपटान भी सुनिश्चित करता है, चाहे वह जैविक कचरा हो, ई-कचरा हो, या सैनिटरी कचरा हो। जैविक-अपशिष्ट को वर्मीकम्पोस्ट में बदल दिया जाता है। ई-कचरे की पहचान कर लेबलिंग और पदार्थ की प्रकृति के आधार पर निपटान किया जाता है। स्वच्छता और प्रभावी अपशिष्ट निपटान के महत्व को ध्यान में रखते हुए, शिवाजी कॉलेज ने कॉलेज में महिलाओं के शौचालयों में स्वच्छता अपशिष्ट भस्मक स्थापित करने की पहल भी की। शिवाजी कॉलेज लैंगिक समानता और सामुदायिक सेवा के आदर्शों में विश्वास करता है और उन्हें बढ़ावा देता है। कॉलेज महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम करने वाले पुरुषों और महिलाओं का सम्मान करता है और उन्हें जीजाबाई अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित करता है। यह पुरस्कार छत्रपति शिवाजी की मां, माता जीजाबाई के सम्मान में स्थापित किया गया था, जिन्होंने अपने बेटे को धर्मी, बहादुर, आत्मविश्वासी बनने के लिए प्रेरित किया था। कॉलेज कई सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करता है और छात्रों को समग्र शिक्षा और अनुभव प्रदान करने का प्रयास करता है।



सुविधाजनक स्थान

शिवाजी कॉलेज ब्लू लाइन और पिंग लाइन दोनों पर राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशनों से पैदल दूरी पर है। रेस्तरां, शॉपिंग सेंटर और अस्पताल जैसी विभिन्न सार्वजनिक सुविधाओं से घिरा हुआ, यह हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशनों से भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

प्रतिष्ठित संकाय

कॉलेज में एक ऊर्जावान और जीवंत संकाय है, जो छात्रों को पाठ्यपुस्तकों से परे जाने और अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो उन्हें सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यक्ति बनने में सक्षम बनाएगा। हमारा लक्ष्य छात्रों का समग्र विकास करना है, जिससे उनका इस तरह से पोषण किया जा सके कि वे समाज और राष्ट्र की भलाई में योगदान दें।

कॉलेज का आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करता है और छात्रों की प्रगति की निगरानी करता है। कई वरिष्ठ संकाय सदस्य पीएचडी शोध छात्रों के गाइड हैं। विद्वान दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ-साथ अन्य विश्वविद्यालयों में पंजीकृत हैं। उनमें से कई यूजीसी प्रायोजित प्रमुख और छोटी अनुसंधान परियोजनाओं और विश्वविद्यालय प्रायोजित नवाचार परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

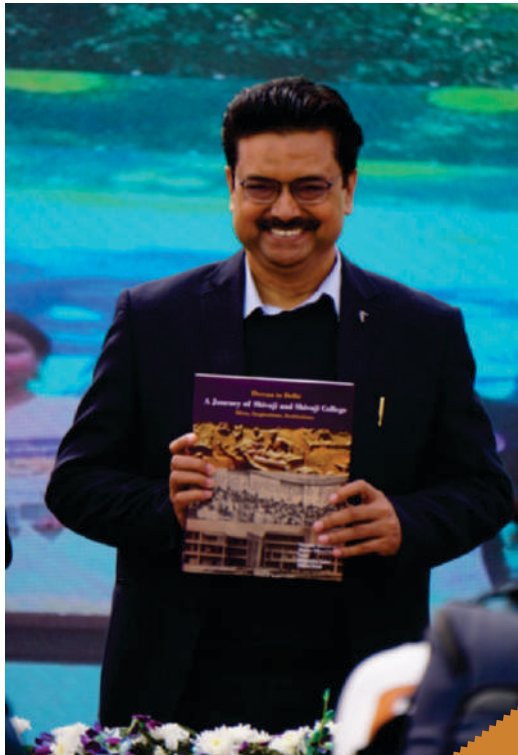
पुस्तकालय

कॉलेज पुस्तकालय में 82,575 पुस्तकें हैं और 07 मुद्रित पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। सभी पुस्तकें बार-कोडित हैं और उनमें आरएफआईडी टैग हैं। लाइब्रेरी में 2019 से कोहा लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर है। इसमें छात्रों के लिए एक रीडिंग हॉल (90 की बैठने की क्षमता), और कंप्यूटर सुविधाओं के साथ दो हॉल हैं। एक छात्रों के लिए (75 की बैठने की क्षमता) और दूसरा संकाय के लिए (15 की बैठने की क्षमता)। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए 33 एंजल्स (टॉकिंग डिजिटल पोर्टेबल डेजी प्लेयर्स), 29 टेप रिकॉर्डर, 09 आई-पीओडी, 02 ब्रेल किट, एक लेक्स एयर (पोर्टेबल कैमरा रीडिंग सिस्टम) और नोटबुक कंप्यूटर हैं। लाइब्रेरी <https://nlist.inflibnet.ac.in/> पर 6000 से अधिक ई-जर्नल्स और 1,99,500 से अधिक ई-बुक्स, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी पर 6,00,000 ई-बुक्स, 14,378 ई-जर्नल्स हैं। डेलनेट पर 16,991 ई-पुस्तकें और www.du.ac.in पोर्टल पर कई और ई-पुस्तकें उपलब्ध हैं।



कुछ झलक : शिवराज 350







अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : वैश्विक पटल पर भारत का पुनरुत्थान









खेल और क्रीड़ा

कॉलेज पूरे विश्वविद्यालय में सबसे बड़े खेल के मैदानों में से एक है, जिसमें वॉलीबॉल कोर्ट (18 मीटर x 9 मीटर), एक फुटबॉल मैदान (10 x 50 मीटर), 60 मीटर त्रिज्या का क्रिकेट मैदान, 04 क्रिकेट अभ्यास जाल (3 टर्फ और 01 सीमेंटेड), एक सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट (28 x 15 मीटर), 02 टेनिस कोर्ट 23.8x11 मीटर, शतरंज के लिए एक इनडोर स्थान और एक फ्लड लाइट हैं। छात्रों के लिए अन्य सुविधाएं जैसे लॉकर/चेंजिंग रूम, स्टोर रूम, ग्राउंड-मेन रूम और वॉशरूम जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। फुटबॉल मैदान लाइट से सुसज्जित हैं। कॉलेज की टीमों अंतर-कॉलेज और अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भाग लेती हैं।



कॉलेज कैफेटेरिया

कैफेटेरिया छात्रों के बीच घूमने-फिरने और कक्षाओं से लेकर संगीत और फिल्मों तक हर चीज पर चर्चा करने के लिए सबसे लोकप्रिय स्थान है। स्वादिष्ट और स्वच्छ भोजन, किफायती मूल्य और अच्छा माहौल कॉलेज कैटीन को सबसे अधिक व्यस्त स्थान बनाता है। कॉलेज परिसर के भीतर ब्रू कियोस्क और मदर डेयरी बूथ भी छात्रों को उचित मूल्य पर ताज़ा नाश्ता और पेय विकल्प प्रदान करते हैं।

प्रयोगशाला

कॉलेज भौतिकी, रसायन विज्ञान, प्राणीशास्त्र, भूगोल, जैव रसायन और वनस्पति विज्ञान जैसे विज्ञान पाठ्यक्रमों के लिए आधुनिक और कुशलतापूर्वक प्रबंधित प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। यहां 10 प्रयोगशालाएँ हैं। भौतिकी में दो, वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र और रसायन विज्ञान विभाग और जैव रसायन और भूगोल विभाग में एक-एक। चार उपकरण प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें से प्रत्येक वनस्पति विज्ञान, जैव रसायन, रसायन विज्ञान और भौतिकी विभाग में हैं और प्राणीशास्त्र विभाग में एक संग्रहालय है। इनके अतिरिक्त, चार कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ भी हैं। सभी प्रयोगशालाएँ वाई-फाई सक्षम और प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं।



पत्रिका

कॉलेज पत्रिका (शिवराज) विद्यार्थियों को अपने अनुभव, विचार और राय साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। पत्रिका अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत भाषा में छात्रों और शिक्षकों के योगदान को प्रकाशित करती है। पत्रिका के माध्यम से लेख, कविताएँ, निबंध और कहानियाँ विभिन्न विषयों में छात्रों के साहित्यिक कौशल को प्रस्तुत करने और कवर डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित करके विद्यार्थियों की भागीदारी को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाता है। छात्रों को पत्रिका का बेसब्री से इंतजार रहता है क्योंकि यह उनके कॉलेज जीवन का एक महत्वपूर्ण और यादगार हिस्सा है।

कॉलेज सभागार

सभागार अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल प्रणाली, प्रोजेक्टर, मंच और प्रकाश व्यवस्था से सुसज्जित है। कॉलेज में प्रोजेक्टर के साथ एक वाई-फाई सक्षम सभागार है जिसमें लगभग 500 लोगों के बैठने की क्षमता है। यह विभिन्न पाठ्येतर, सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों जैसे सेमिनार, वार्ता, बहस, नाटक, फिल्म-स्क्रीनिंग और विभागीय उत्सवों का केंद्र है। कई छात्रों के लिए सभागार वह मंच प्रदान करता है जहां वे अपने मंच-भय पर काबू पाते हैं और अपने कॉलेज जीवन का पहला प्रदर्शन देना सीखते हैं। इसके अलावा, नए जीजाबाई अकादमिक ब्लॉक में मल्टीमीडिया सुविधाओं के साथ तीन ऑडिटोरियम हैं।

विदेशी भाषा पाठ्यक्रम (प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम)

कॉलेज जर्मन और फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो सभी छात्रों के लिए है। यह पाठ्यक्रम दो सेमेस्टर की अवधि के लिए है और कक्षाएं सप्ताह में तीन बार आयोजित की जाती हैं। इस पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले छात्रों को सेमेस्टर परीक्षा में बैठने के लिए 66 प्रतिशत उपस्थिति मानदंड को पूरा करना होगा। दो सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूरा करने पर, उसे दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा। पात्रता मानदंड और इस पाठ्यक्रम में प्रवेश का विवरण कॉलेज की वेबसाइट पर अधिसूचित किया जाएगा।

अनुसंधान के अवसर

इनोवेशन प्रोजेक्ट्स और क्लासरूम इंटरैक्शन (आई.ई.) के माध्यम से अंतःविषय और ट्रांस-डिसिप्लिनरी में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाता है। कॉलेज अच्छी तरह से सुसज्जित विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ प्रदान करने में गर्व महसूस करता है। निःशुल्क वाई-फाई लॉगिन यह सुनिश्चित करता है कि छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सदस्यता प्राप्त ई-जर्नल्स और ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुंच सकें।

छात्र सूचना प्रणाली

शिवाजी प्लेटफॉर्म फॉर एकेडमिक कनेक्ट एंड एम्पावरमेंट (स्पेस) एक अत्याधुनिक ईआरपी प्रणाली है। यह सभी छात्रों के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो उपस्थिति और आंतरिक मूल्यांकन की निगरानी के लिए ऑनलाइन पहुंच प्रदान करता है।

बैंकिंग सुविधा

कॉलेज परिसर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा है। जिसमें कर्मचारी और छात्र खाते खोलने के साथ-साथ अन्य बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

जेरॉक्स सुविधा

कॉलेज के भीतर दो जेरोक्स केंद्र हैं, जहाँ छात्र बहुत मामूली दर पर फोटोकॉपी और बुक बाइंडिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। जहां एक फोटोकॉपी आउटलेट मुख्य द्वार के निकट स्थित है, वहीं दूसरा पुस्तकालय परिसर से संचालित होता है।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य सेवा केंद्र (WUS)

कॉलेज के परिसर में छात्रों और विश्वविद्यालय के सदस्यों के लिए एक डब्ल्यू यू एस स्वास्थ्य केंद्र है। छात्र 120 रुपये सालाना की मामूली दर पर स्वास्थ्य सुविधाओं - आपातकालीन सेवाओं, मुफ्त परामर्श और मुफ्त चिकित्सा लाभ का लाभ उठा सकते हैं।

सौहार्दपूर्ण वातावरण

कॉलेज प्रशासन ने प्राचार्य कार्यालय के बाहर विद्यार्थियों के लिए एक शिकायत पेटी लगाई है, जहां यौन उत्पीड़न, रैगिंग और छेड़छाड़ से संबंधित शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं। कॉलेज परिसर एक धूम्रपान मुक्त और वाहन मुक्त क्षेत्र है जो छात्रों की भलाई के लिए एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करता है।

शिक्षा से परे जीवन

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

शिवाजी कॉलेज की एनसीसी इकाई प्रेरित और प्रशिक्षित युवाओं का एक समूह है, जो नेतृत्व गुणों को अपनाते हैं। लड़कों का विंग दूसरी दिल्ली बटालियन, नई दिल्ली से जुड़ा हुआ है और लड़कियों का विंग 7वीं दिल्ली गर्ल्स बटालियन, कीर्ति नगर के अंतर्गत आता है। हमारे कैडेटों ने विभिन्न शिविरों में कई पुरस्कार जीते हैं और कॉलेज का नाम रोशन किया है। हमारे कैडेटों को गणतंत्र दिवस शिविर, आर्मी अटैचमेंट कैंप, थल सेना कैंप, ट्रैकिंग और पैरासेलिंग कैंप जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने का अवसर मिलता है। एन.सी.सी. सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि आईएमए और ओटीए में कुछ रिक्तियां एन.सी.सी. के लिए आरक्षित हैं। एन.सी.सी. प्रमाणपत्र धारक और वे एस.एस.बी. में उपस्थित होने के पात्र हैं। जो छात्र चिकित्सकीय रूप से फिट हैं और एन.सी.सी. में शामिल होने के इच्छुक हैं। वे सत्र की शुरुआत में एक आवेदन जमा करके प्रशिक्षण में दाखिला ले सकते हैं।



राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

शिवाजी कॉलेज की एनएसएस इकाई कॉलेज के सबसे सक्रिय छात्र-शिक्षक प्रकोष्ठ में से एक होने का दावा करती है। इसका उद्देश्य राज्य से जुड़े विश्वविद्यालय अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों को पूरा करना है। एनएसएस कंथे से कंधा मिलाकर हमारे स्वयंसेवक छात्रों के निरंतर और समग्र विकास के लिए काम करता है, जिन्हें अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरी तरह से पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। एनएसएस के संकाय, हमारे कॉलेज के प्राचार्य के अथक प्रोत्साहन के साथ, एनएसएस के पंजीकृत स्वयंसेवकों को निस्वार्थ सेवा की अवधारणा से परिचित कराने का प्रयास करते हैं। एनएसएस छात्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिताओं, आउटडोर भ्रमण और रैलियों जैसी विभिन्न छात्र गतिविधियों का भी आयोजन करता है।



सांस्कृतिक समिति

कॉलेज में एक बहुत ही जीवंत सांस्कृतिक समिति है, जो विद्यार्थियों को कला और सौंदर्य शास्त्र में अपनी असंख्य अभिव्यक्तियां प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है। सांस्कृतिक समिति शैक्षणिक वर्ष के दौरान कॉलेज में नए विद्यार्थियों के सुचारु प्रवेश के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम जैसे कई कार्यक्रम आयोजन करती है स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए देशभक्ति और मनोरंजक प्रदर्शन एक साथ रखे जाते हैं। स्पिक मैके के सहयोग से कॉलेज शास्त्रीय नृत्य और संगीत प्रदर्शन का आयोजन करके छात्रों को देश की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराता है। वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, वाइब्रेशन्स में विभिन्न संस्थानों के छात्र एक स्वस्थ , प्रतिस्पर्धा माहौल में बाद विवाद, संगीत, फैशन, नृत्य, ललित कला, फोटोग्राफी और थिएटर में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। समापन समारोह में एक स्टार-नाइट का आयोजन होता है। शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में प्रत्येक समिति द्वारा नए सदस्यों के लिए ऑडिशन आयोजित किए जाते हैं।

बिज़ारे- फैशन सोसायटी

फैशन सोसायटी छात्रों की व्यापक भागीदारी को आकर्षित करती है और ऐसे प्रदर्शनों का मंचन करती है, जिनसे फैशन को सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों के संदर्भ में प्रदर्शित किया जाता है। जिसे चौतरफा सराहना मिलती है। बिज़ारे पनाचे का आयोजन करता है, जिसमें कई टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं। यह अंतर विश्वविद्यालय प्रतिस्पर्धी आयोजनों में अत्यधिक सम्मानित सोसायटी है।



डिक्टम - पब्लिक स्पीकिंग सोसाइटी

डिक्टम छात्रों को संसदीय और पारंपरिक बहस प्रारूपों में अंग्रेजी और हिंदी दोनों में अपने विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करती है। सोसायटी वार्षिक प्रतियोगिताओं जैसे शिवाजी भोंसले वाद-विवाद प्रतियोगिता, जीजाबाई वाद-विवाद प्रतियोगिता और एथेना जैसी प्रतिष्ठित वार्षिक प्रतियोगिताओं की मेजबानी करती है। ये सभी प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय सर्किट में बेहद लोकप्रिय हैं, जिन्हें भारी संख्या में लोग और उत्साही प्रतिक्रिया मिल रही है।

फुटलूज - डांस सोसायटी

डांस सोसाइटी, ऐसे छात्रों को जिनमें नृत्य के प्रति जुनून और क्षमता है, उन्हें एक उत्कृष्ट मंच प्रस्तुत करती है। फुटलूज अपने वार्षिक कार्यक्रम टैंजप्लांचे का आयोजन करती है जिसमें कॉलेज और विश्वविद्यालय से भारी भागीदारी देखी जाती है।



रिवर्ब- म्यूजिक सोसायटी

म्यूजिक सोसायटी गायन या वाद्य संगीत में रुचि रखने वाले छात्रों को शामिल करती है। रिवर्ब टीम कॉलेज के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों जैसे ओरिएंटेशन डे ,स्वतंत्रता दिवस, इंस्पायर साइंस कैप और वार्षिक दिवस पर प्रदर्शन करती है और चारों ओर से प्रशंसा बटोरती है। सोसाइटी अपने वार्षिक उत्सव स्वरांजलि का आयोजन करती है, जिसमें विभिन्न कॉलेजों से भी व्यापक भागीदारी होती है। रिवर्ब के कई छात्रों ने संगीत को अपने करियर के रूप में चुना है।

शटरबग्स - फोटोग्राफी और फ़िल्म निर्माण सोसायटी

शटरबग्स, फोटोग्राफी और फ़िल्म मेकिंग सोसाइटी, अपने सदस्यों के कौशल को इस हद तक विकसित करती है की उनके काम को संस्थानों में होने वाले कार्यक्रमों में प्रशंसा मिलती है। सोसायटी उन्नत पोस्ट-प्रोसेसिंग तकनीकों पर काम करती है। देश भर में फोटोग्राफी यात्राएं आयोजित करती है और अनुभवी फोटोग्राफरों और फिल्म निर्माताओं के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करती है। शटरबैग्स सीनेड्रोम का आयोजन करता है, जिसमें कई प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

वयम - द थिएटर सोसाइटी

थिएटर सोसायटी दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ समूह में से एक है। उस कार्यक्रम में उन्हें नुक्कड़ नाटक में सर्वश्रेष्ठ टीम, सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट, निर्देशन, संगीत और अभिनेता चुना गया था। कई मौकों पर वयम ने एनएसडी, पृथ्वी थिएटर, श्री फोर्ट ऑडिटोरियम, कमानी ऑडिटोरियम में प्रदर्शन किया है। वयम अपने वार्षिक कार्यक्रम उद्घोष का आयोजन करता है और मीडिया का बहुत ध्यान आकर्षित करता है।



विबग्योर - फाइन आर्ट्स सोसायटी

फाइन आर्ट्स सोसायटी कलात्मक सोच वाले छात्रों को अपनी प्रतिभा को बढ़ाने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। विबग्योर दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर कॉलेज उत्सवों में सक्रिय रूप से भाग लेता है और एक शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न कॉलेजों में लगभग 100 पुरस्कार जीते हैं। समिति प्रतिवर्ष कई प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित करती है।



TEDx शिवाजी कॉलेज

TEDx ऐसे विचार लाता है, जो दुनिया को बदल सकते हैं। इन विचारों को वैश्विक समुदाय तक पहुंचाने में प्रद्योगिकी, मनोरंजन और डिजाइन एक साथ आते हैं। टेडेक्स अपने मूल प्लेटफॉर्म के मिशन को दर्शाता है। टेडेक्स आयोजनों में टेड टॉक, वीडियो की स्क्रीनिंग या लाइव प्रस्तुतकर्ताओं और टेड टॉक वीडियो के संयोजन को स्थानीय स्तर पर नई संभावनाओं और कार्य को प्रेरित करने के लिए एक साथ लाया जाता है। शिवाजी में टेक्स कार्यक्रम कॉलेज के मिशन – एक जीवन को बदलो, एक राष्ट्र को बदलो से मेल खाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के केवल कुछ ही कॉलेजों ने अब तक टेडेक्स आयोजित किया है।

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ

इस समिति की दृष्टि परिवर्तन के उत्प्रेरक बनकर एक गतिशील उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और सशक्त बनाने की है, जिससे एक ऐसा भविष्य तैयार हो सके जहां हर जीवन को महत्व दिया जाए, सम्मान दिया जाए और सशक्त बनाया जाए। समिति छात्रों को उनके नवीन विचारों को सफल व्यवसायों में बदलने में मदद करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है। समिति का प्राथमिक मिशन उद्यमशीलता कौशल विकसित करने, स्टार्टअप का समर्थन करने और युवा व्यक्तियों को नौकरी निर्माता बनने के लिए प्रेरित करने के इर्द-गिर्द घूमता है। समिति विभिन्न प्रकार की कार्यशालाओं, सेमिनारों, प्रतियोगिताओं की मेजबानी करती है। और निपुण उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित



करती है। ये कार्यक्रम छात्रों को उद्यमिता पर मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, जिसका उद्देश्य उनकी व्यावसायिक अंतर्दृष्टि, समस्या-समाधान क्षमताओं, नेतृत्व गुणों और नवीन सोच को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, समिति अपने वार्षिक कार्यक्रम, बी-प्लान प्रतियोगिता की मेजबानी करती है, जिससे पूरे भारत के प्रतिभागियों को समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ अपनी स्टार्टअप अवधारणाओं और नेटवर्क को प्रस्तुत करने की अनुमति मिलती है। नवोदित उद्यमियों में रचनात्मक विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए व्यवसाय योजना प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। कई व्याख्यान, कार्यशालाएं, पैनल चर्चाएं उद्यमिता की भावना को पहचानने और पुरस्कृत करने के लिए विशेषज्ञ के साथ-साथ अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं।

पूर्व छात्र संबंध प्रकोष्ठ

शिवाजी कॉलेज के पूर्व छात्र संबंध सेल का लक्ष्य दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों और हिस्सों से पूर्व छात्रों का एक मजबूत नेटवर्क विकसित करना है। इसका इरादा वर्तमान छात्रों और पूर्व छात्र समुदाय के बीच संपर्क के रूप में कार्य करना है, जिससे संसाधनों, अवसरों के आदान-प्रदान और मार्गदर्शन के विस्तार की सुविधा मिल सके। शिवाजी कॉलेज में एक सक्रिय पूर्व छात्र क्लब है, जो संस्थान के लिए पूर्व संकाय और पूर्व छात्रों के साथ नेटवर्क और सहयोग करने का एक मंच है। पूर्व छात्र सदस्य अक्सर कॉलेज के प्लेसमेंट सेल को विभिन्न कंपनियों से जुड़ने में मदद करते हैं। एसोसिएशन की योजना मेधावी छात्रों के लिए नई छात्रवृत्तियां शुरू करने और सभी छात्रों के लिए इंटरएक्टिव कार्यक्रम आयोजित करने की है। एआरसी छात्र परामर्श कार्यक्रम जैसी विभिन्न पहलों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है और छात्रों को व्याख्यान श्रृंखला रेड्रोस्पेक्ट मैपिंग के माध्यम से विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों से कॉलेज के प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों के साथ बातचीत करने का अवसर दे रहा है। इससे छात्रों को स्नातक स्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद उपलब्ध विभिन्न व्यावसायिक अवसरों और करियर को आकार देने के अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। पूर्व छात्र अपने अनुभव साझा करते हैं और विभिन्न इंटरशिप कार्यक्रमों, प्लेसमेंट और कौशल सेट विकास के बारे में छात्रों का मार्गदर्शन करते हैं। एआरसी की एक और उल्लेखनीय पहल अपने पूर्व छात्रों को जाने पॉडकास्ट का आयोजन करती है जहां छात्र उल्लेखनीय पूर्व छात्रों के साथ पॉडकास्ट की व्यवस्था करने में शामिल हैं। कॉलेज के माहौल में कार्यस्थल संबंधी अंतर्दृष्टि लाने के लिए एआरसी ने माई एक्सपेरिमेंट्स विद इंटरशिप और द ह्यूमन्स ऑफ शिवाजी जैसी विभिन्न साक्षात्कार श्रृंखलाएं भी शुरू की हैं। इन साक्षात्कार श्रृंखलाओं के माध्यम से वर्तमान छात्र कॉलेज और उन्हें प्रदान किए गए इंटरशिप अवसरों के बारे में अपने अनुभव साझा करते हैं। इसके अलावा, एआरसी का उद्देश्य कॉलेज के सर्वांगीण विकास के लिए शिवाजी के पूर्व छात्र संघ के साथ समन्वय में काम करना है, जैसे योग्य छात्रों के लिए छात्रवृत्ति शुरू करना, शिक्षण और अनुसंधान से संबंधित बुनियादी ढांचे और आईसीटी उन्नयन के लिए धन जुटाना और वार्षिक पूर्व छात्र बैठक आयोजित करना आदि।



महिला विकास प्रकोष्ठ

शिवाजी कॉलेज का महिला विकास प्रकोष्ठ, लैंगिक संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण एवं समान समाज के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। यह समाज के हर वर्ग में व्याप्त लैंगिक असमानता के मुद्दों को उजागर करने के लिए पूरे वर्ष काम करता है। इसका उद्देश्य इन चिंताओं के बारे में जागरूकता पैदा करना है। उन्हें आगे लाना है और उन्हें सशक्त पुरुष और सशक्त महिला और तीसरे लिंग के बीच की खाई को पाटने के लिए खुली चुनौती देना है। महिला विकास प्रकोष्ठ जिज्ञासा, संवाद और रचनात्मक जुड़ाव का माहौल बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ काम करता है। यह नियमित रूप से कॉलेज में लिंग संवेदीकरण, कानूनी जागरूकता और आत्मरक्षा पर सेमिनार, कार्यशालाएं और आउटरीच गतिविधियां आयोजित करता है।

इसके अलावा, वर्ष भर में कई छात्र प्रदर्शन और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। महिला विकास प्रकोष्ठ हर साल चुनिंदा लोगों को जो अपने और अपने आसपास के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए पितृसत्ता को चुनौती देते हैं। उन्हें शिवाजी कॉलेज द्वारा स्थापित जीजाबाई पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। पुरस्कार विजेताओं की यात्राएं छात्रों में आश्चर्य, प्रेरणा और उम्मीद जगाती हैं। जीजाबाई पुरस्कारों के साथ, ही महिला विकास प्रकोष्ठ शिवाजी कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तक के रूप में एक वार्षिक प्रकाशन भी निकालता है, जिसमें विशिष्ट विषयों पर विचारों, शोध और समसामयिक बहसों पर प्रकाश डालते हुए, ये लेख लैंगिक जागरूकता और परिवर्तन के प्रति संस्थान की गौरवपूर्ण प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं।

समावेशन समिति

शिवाजी कॉलेज में समावेशन समिति संस्कृति को बढ़ावा देने और परिसर और उसके बाहर विविधता और समावेशन के माहौल के लिए काम करती है। क्षेत्रीय और सामाजिक श्रेणियों के आधार पर पहचान और सक्षमता के संबंध में छात्र समुदाय के बीच संवेदनशील विश्व दृष्टिकोण लाने के लिए छात्र और संकाय एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करते हैं। समावेशन समिति के तहत, सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ इनक्लूसिविटी (सीएफपीआई), नॉर्थ-ईस्ट काउंसिलिंग सेल और एनेबलिंग यूनिट पूर्वोत्तर भारत के छात्रों, विभिन्न क्षमताओं वाले छात्रों की आवश्यकताओं और हितों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करते हैं। वे छात्र



जो विविधता और समावेशन के समर्थक हैं। छात्रों के बीच जागरूकता, संवाद और संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक सत्र के माध्यम से ओरिएंटेशन कार्यक्रम, कार्यशालाएं, ऑनलाइन अभियान और अन्य समूह गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

पर्यावरण और स्थिरता समिति

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज की पर्यावरण और स्थिरता समिति, कॉलेज परिसर के भीतर पर्यावरण प्रबंधन और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह समिति पारिस्थितिक चेतना को बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापक पहल करती है। इस समिति की मुख्य जिम्मेदारियों में कॉलेज के बगीचे और बागवानी कार्य का रखरखाव, जैव विविधता और हरित स्थानों को बढ़ावा देना शामिल है। इको क्लब विभिन्न गतिविधियों और अभियानों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त, समिति नवी रणीय ऊर्जा के उपयोग में योगदान करते हुए, छत पर सौर पैनलों की स्थापना और रखरखाव का प्रबंधन करती है। प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और एक पेपर रीसाइक्लिंग इकाई परिसर में स्थापित है। समिति स्थिरता प्रथाओं की निगरानी और सुधार के लिए नियमित पर्यावरण और ऊर्जा ऑडिट भी करती है। सीवेज उपचार संयंत्र की देखरेख उचित अपशिष्ट प्रबंधन और जल संरक्षण सुनिश्चित करती है। हरित परिसर के विचार को बढ़ावा देने के लिए यह कॉलेज परिसर में सौर पैनल और वर्षा जल संचालन प्रणाली की स्थापना जैसे विभिन्न उपायों को अपनाता है। इसके अलावा यह पर्यावरण जागरूकता के लिए विभिन्न थीम आधारित कार्यक्रम सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करता है और अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय दिवस मनाता है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं को कम करने के लिए संभावित समाधान ढूंढता है।

पर्यावरण और आपदा प्रबंधन केंद्र

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज में पर्यावरण और आपदा प्रबंधन केंद्र (सीईडीएम), एक नव विकसित केंद्र है, जो पर्यावरणीय स्थिरता और आपदा प्रबंधन में अनुसंधान, शिक्षा और प्रथाओं को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। सीईडीएम पर्यावरणीय चुनौतियों और आपदा जोखिमों से निपटने के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करता है, जिससे मानवीय गतिविधियों और प्राकृतिक प्रणालियों के बीच परस्पर क्रिया की व्यापक समझ को बढ़ावा मिलता है। अपनी पहलों के माध्यम से, केंद्र का लक्ष्य जागरूकता पैदा करना, टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना और प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए रणनीति विकसित करना है। छात्रों, शिक्षकों और व्यापक समुदाय को शामिल करके, सीईडीएम एक जानकारी और सक्रिय समाज बनाने का प्रयास करता है जो पर्यावरणीय मुद्दों को कम करने और आपदा तैयारियों और प्रतिक्रिया को बढ़ाने में सक्षम हो।

अनुसंधान एवं नवप्रवर्तन प्रकोष्ठ

अनुसंधान और विकास शिक्षा की रीढ़ हैं। अनुसंधान शिक्षाविदों को सहयोग, ज्ञान साझा करने, नवीन प्रथाओं और कौशल के अवसरों को पहचानने और लाभान्वित करने में मदद करता है। सेल का मुख्य उद्देश्य नए उभरते और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में अनुसंधान-आधारित गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करके संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अनुसंधान संस्कृति का पोषण करना है। प्रकोष्ठ का उद्देश्य संकाय के भीतर, संकाय और संस्थानों/संगठनों में और कॉलेज के बाहर की एजेंसियों के साथ अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रणनीति विकसित करना है। सेल सेमिनार, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र जैसे कई कार्यक्रम आयोजित करता है और संकाय सदस्यों को अनुसंधान संबंधी गतिविधियां शुरू करने के लिए प्रेरित करता है। सेल कॉलेज के संकाय सदस्यों को अपने शोध कार्यों को अग्रणी और अच्छी गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में प्रकाशित करने और सेमिनारों और सम्मेलनों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर अपने शोध निष्कर्षों को प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करता है। सेल विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करने के लिए संकाय सदस्यों को सुविधा प्रदान करता है। अनुसंधान और प्रवर्तन प्रकोष्ठ हमारे छात्रों के बीच बौद्धिक जिज्ञासा पैदा करने और नवाचार की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। सेल का मिशन अभूतपूर्व अनुसंधान, नवीन परियोजनाओं और उद्यमशीलता प्रयासों को प्रोत्साहित करना और समर्थन करना है, जो ज्ञान की उन्नति और समाज की बेहदरी में योगदान करते हैं। अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से ही हम अपने समय की चुनौतियों का सामना करते हैं। नए समाधान खोजते हैं और प्रगति पथ पर को आगे बढ़ते हैं। अनुसंधान और नवप्रवर्तन प्रकोष्ठ संकाय सदस्यों को उनकी योग्यता और क्षमता को उजागर करने के लिए संसाधन, मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करता है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

शिवाजी कॉलेज की राजभाषा कार्यान्वयन समिति बहुत ही सक्रिय समितियों में से एक है। माननीय सांसद भर्तुहरि महताब की अध्यक्षता में 20 सांसदों की संसदीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक बुलाई गई थी। समिति ने छह संस्थानों में से शिवाजी कॉलेज को समन्वयक के रूप में चुना। अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान, समिति ने पिछले निरीक्षणों के दौरान कॉलेज के मूल्यांकन और इन छह संस्थानों की जांच के आयोजन में अपनी भूमिका के माध्यम से अपने संगठनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। शिवाजी कॉलेज की राजभाषा कार्यान्वयन समिति दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य के रूप में अग्रणी है, जो संस्थान के भीतर आधिकारिक भाषा को अपनाने के लिए छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को प्रेरित और प्रोत्साहन करती है। समिति द्वारा हिंदी पखवाड़ा, हिंदी दिवस, विश्व हिंदी दिवस, हिंदी में साक्षरता अभियान, हिंदी में हस्ताक्षर अभियान, लेखन प्रतियोगिताएं, वेबसाइट के माध्यम से हिंदी भाषा सीखना, कार्यशालाएं, सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। सुनियोजित भागीदारी के एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन में, शिवाजी कॉलेज राजभाषा कार्यान्वयन समिति भारत सरकार के माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के तत्वावधान में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, 2023 पुणे में सक्रिय रूप से शामिल हुई। राष्ट्र-निर्माण के महान प्रयास में अपनी मातृभाषा के प्रति आंतरिक श्रद्धा और जागरूकता को बढ़ावा देने में, राजभाषा कार्यान्वयन समिति का प्रत्येक सदस्य, चाहे वह शिक्षक हों, छात्र हों या कर्मचारी हों, उत्साहपूर्वक अपना योगदान देते हैं।

अनुशासन एवं छात्र सलाहकार समिति

ऐसे समय में जब उच्च शिक्षा को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, कॉलेज परिसरों में अनुशासन बनाए रखना एक कठिन काम बन गया है। इस चुनौती को स्वीकार करते हुए, शिवाजी कॉलेज की अनुशासन और छात्र सलाहकार समिति का गठन कॉलेज के अनुशासन-संबंधी मुद्दों को सर्वोत्तम तरीके से संभालने के लिए किया गया है। छात्र-हितैषी दृष्टिकोण अपनाते हुए, समिति कॉलेज के साथ-साथ इसके खेल मैदान में एक सौहार्दपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए काम करती है। अनुशासन समिति उन मामलों पर भी कड़ी नजर रखती है जहां कॉलेज की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाता है या करने का प्रयास किया जाता है। चुनावी प्रक्रिया में लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को कायम रखने को सुनिश्चित करने के लिए समिति वार्षिक आधार पर छात्र संघ चुनावों की निगरानी करती है। इसू के स्तर पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए काम करके, समिति यंग इंडिया को बुनियादी संवैधानिक मूल्यों को सिखाने के लिए एक मंच भी बनाती है।

प्लेसमेंट और इंटरनशिप प्रकोष्ठ

शिवाजी कॉलेज में एक बहुत सक्रिय प्लेसमेंट और इंटरनशिप प्रकोष्ठ है, जो अपने छात्रों को इंटरनशिप और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए साल भर काम करता है। प्रकोष्ठ भारत और विदेशों में रोजगार और भविष्य के कैरियर विकल्पों के लिए सॉफ्ट स्किल्स, बायोडाटा लेखन, व्यक्तित्व विकास, साक्षात्कार कौशल और अन्य कौशल जैसे विभिन्न विषयों पर कौशल विकास कार्यशालाएं और सेमिनार भी आयोजित करता है। ये कार्यशालाएं और सेमिनार छात्रों को रोजगार संबंधी पर्याप्त जानकारी देते हैं। छात्र कॉलेज की वेबसाइट पर दिए गए लिंक के माध्यम से प्लेसमेंट/इंटरनशिप के लिए अपना पंजीकरण करा सकते हैं। शिवाजी कॉलेज का प्लेसमेंट और इंटरनशिप प्रकोष्ठ दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के साथ भी समन्वय करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर में आने वाली कंपनियों द्वारा प्रदान किए गए अवसरों की जानकारी भी प्राप्त हो सके। सत्र 2023-24 में आयोजित विभिन्न कंपस ड्राइव में हमारे छात्रों को कई कंपनियों जैसे डेलॉइट, विप्रो, एक्सेचर, आरएसए एक्चुरियल सर्विसेज, डी.ई., शां इंडिया, धनगार्ड बिजनेस सेटअप और बैंकिंग कंसल्टेंट्स (दुबई), बजाज कैपिटल आदि में नौकरी प्राप्त हुई है। इस वर्ष प्लेसमेंट और इंटरनशिप मेले में 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया। धनगार्ड बिजनेस सेटअप एंड बैंकिंग कंसल्टेंट्स (दुबई) द्वारा बी.कॉम (प्रो.) के दो छात्रों को 24 लाख का उच्चतम पैकेज ऑफर किया गया था। प्लेसमेंट और इंटरनशिप सेल छात्रों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान इंटरनशिप करने के लिए प्रोत्साहित भी करता है जिससे उन्हें उद्योग संबंधी नए अनुभव मिलते हैं और वे प्लेसमेंट के लिए तैयार होते हैं। प्रकोष्ठ हर साल कॉलेज में प्लेसमेंट और इंटरनशिप मेले का आयोजन भी करता है।

विभागीय समितियां

प्रत्येक विभाग की अपनी समिति होती है जो छात्रों को ज्ञान, कौशल और रचनात्मक योग्यता के आदान-प्रदान के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करती है। विभागीय समितियां छात्रों को पाठ्यक्रम से परे सोचने के लिए और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए त्र्यौहारों और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

विभाग का नाम	समिति का नाम	इंग्लिश	पांडेमोनियम
बी.ए.(प्रो.) सोसाइटी	चाणक्य	भूगोल	शिवालिक
बायोकेमिकल	चैपरॉन	इतिहास	इतिहास
बॉटनी	फ्रेगरेस	हिंदी	साहित्य संगम
बी.बी. ई.	इनोवॉक	गणित	इंफिनिटी
केमिस्ट्री	रसतंत्रम	फिजिक्स	इन्वेनियो
कॉमर्स	काइजेन	राजनीति विज्ञान	द डेमोक्रेटस
कंप्यूटर साइंस	वेबस्टर्स	संस्कृत	निःश्रेयस
अर्थशास्त्र	एपिटॉम	जूलॉजी	ओयस्टर

2024-2025 मे प्रवेश उपलब्ध पाठ्यक्रम और स्वीकृत संख्या

पाठ्यक्रम की पेशकश की (यूजी- प्रवेश आधारित) Course Offered (UG Entrance Based)	कुल सीटें	सामान्य	एस सी	एसटी	ओबीसी	ईडब्ल्यू एस
विज्ञान-स्नातक (विशेष) गणित BACHELOR OF SCIENCE (HONOURS) MATHEMATICS	115	46	17	9	31	12
वाणिज्य-स्नातक (विशेष) BACHELOR OF COMMERCE (HONOURS)	115	46	17	9	31	12
वाणिज्य-स्नातक [प्रोग] BACHELOR OF COMMERCE (PROG.)	115	46	17	9	31	12
कला-स्नातक (विशेष) अर्थशास्त्र BACHELOR OF ARTS (HONOURS) ECONOMICS	57	23	9	4	15	6
कला-स्नातक (विशेष) भूगोल BACHELOR OF ARTS (HONOURS) GEOGRAPHY	57	23	9	4	15	6
कला-स्नातक (विशेष) हिन्दी BACHELOR OF ARTS (HONOURS) HINDI	57	23	9	4	15	6
कला-स्नातक (विशेष) इतिहास BACHELOR OF ARTS (HONOURS) HISTORY	57	23	9	4	15	6
कला-स्नातक (विशेष) राजनीति शास्त्र BACHELOR OF ARTS (HONOURS) POLITICAL SCIENCE	57	23	9	4	15	6
कला-स्नातक [प्रोग] BACHELOR OF ARTS (PROG.)	231	93	35	17	63	23
कला-स्नातक (विशेष) अंग्रेजी BACHELOR OF ARTS (HONOURS) ENGLISH	57	23	9	4	15	6
कला-स्नातक (विशेष) संस्कृत BACHELOR OF ARTS (HONOURS) SANSKRIT	57	23	9	4	15	6
विज्ञान-स्नातक (रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान) BACHELOR OF SCIENCE (PHYSICAL SCIENCE WITH CHEMISTRY)	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (जीव विज्ञान) BACHELOR OF SCIENCE (LIFE SCIENCE)	115	46	17	9	31	12
विज्ञान-स्नातक (कंप्यूटर विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान) BACHELOR OF SCIENCE (PHYSICAL SCIENCE WITH COMPUTER SCIENCE)	78	31	12	6	21	8
विज्ञान-स्नातक (विशेष) जीव रसायन BACHELOR OF SCIENCE (HONOURS) BIOCHEMISTRY	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (विशेष) वनस्पति विज्ञान BACHELOR OF SCIENCE (HONOURS) BOTANY	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (विशेष) रसायन विज्ञान BACHELOR OF SCIENCE (HONOURS) CHEMISTRY	39	16	6	3	10	4
विज्ञान-स्नातक (विशेष) भौतिकी BACHELOR OF SCIENCE (HONOURS) PHYSICS	78	31	12	6	21	8
विज्ञान-स्नातक (विशेष) प्राणि विज्ञान BACHELOR OF SCIENCE (HONOURS) ZOOLOGY	39	16	6	3	10	4
कला-स्नातक (विशेष) व्यवसाय अर्थशास्त्र BACHELOR OF ARTS (HONOURS) BUSINESS ECONOMICS	78	31	12	6	21	8

2024- 25 के तहत प्रवेश के लिए सामान्य दिशा निर्देश

महत्वपूर्ण बिंदु-

1. सीयूईटी (यूजी) - 2024 आवश्यकताएँ:

- ▶ दिल्ली विश्वविद्यालय में सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी (यूजी) - 2024 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा। (स्कूल का ओपन लर्निंग (एस ओ एल), गैर कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) और विदेशी नागरिकों के प्रवेश को छोड़कर)

2. पात्रता मापदंड

- ▶ उम्मीदवारों को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा की परीक्षा या इसके समकक्ष अध्ययन और उत्तीर्ण होना चाहिए।
- ▶ उम्मीदवार को भारत में किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय, या भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा 10+2 प्रणाली के समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी भी विदेशी देश से बारहवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण और अध्ययन किया हुआ होना चाहिए।
- ▶ दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार को उन विषयों में सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उपस्थित होना अनिवार्य है, जिनमें उन्होंने बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की है।
- ▶ यदि बारहवीं कक्षा में अध्ययन किए गए विषय का सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उल्लेख नहीं किया गया है, तो उम्मीदवार को उस विषय में उपस्थित होना होगा जो बारहवीं कक्षा में पढ़े गए विषय के समान/निकट रूप से संबंधित है। (कम से कम 50% पाठ्यक्रम मेल खाना चाहिए।) विश्वविद्यालय समानता स्थापित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

3. प्रवेश प्रक्रिया

- ▶ आवंटन और प्रवेश केवल भाषा, डोमेन विशिष्ट विषयों /या सामान्य परीक्षण के संयोजन पर आधारित होगा जिसमें एक उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता के अनुसार सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उपस्थित हुआ है।
- ▶ शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में प्रवेश के लिए केवल सीयूईटी (यूजी) - 2024 में प्राप्त अंकों पर विचार किया जाएगा।
- ▶ उम्मीदवारों को कार्यक्रम-विशिष्ट आवश्यकताओं का सावधानी पूर्वक अध्ययन करना चाहिए और फिर सीयूईटी 2024 के विषय /पेपर में उपस्थित होना चाहिए।

4. आवेदन एवं प्रवेश दिशानिर्देश

- ▶ शैक्षणिक सत्र 2024 25 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक पात्र उम्मीदवार को इस सूचना बुलेटिन की सामग्री के साथ-साथ इस पर प्रकाशित अधिसूचनाओं अपडेट और सूचनाओं को अवश्य पढ़ना चाहिए।
- ▶ सीयूईटी (यूजी) - 2024 फॉर्म भरते समय उम्मीदवारों को सावधान रहना चाहिए क्योंकि नाम, हस्ताक्षर और फोटोग्राफ जैसे कुछ फ़िल्ड सीयूईटी (यूजी) - 2024 से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वचालित रूप से एकीकृत किए जाएंगे। ये फ़िल्ड गैर-संपादन योग्य होंगे।
- ▶ आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उम्मीदवार के नाम से मेल खाना चाहिए जैसा कि उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाण पत्र और सीयूईटी (यूजी) - 2024 में दिखाई देता है। इसी तरह, माता-पिता के नाम भी प्रमाण पत्र में मेल खाने चाहिए।
- ▶ स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है। सिवाय इसके कि जहां संबंधित नियामक निकायों ने न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित की हो।
- ▶ स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य से गैप ईयर कोई बाधा नहीं होगी। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2024 में भी उपस्थित होना होगा।

5. जिम्मेदारियाँ और आवश्यकताएँ

- ▶ सीयूईटी (यूजी) - 2024 और प्रवेश संबंधी नीतियों से संबंधित अपडेट के लिए एनटीए और दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइटों और प्रवेश पोर्टलों की नियमित जांच करने के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार हैं। इस बुलेटिन और वेबसाइटों को न देखने से उत्पन्न शिकायतों पर विचार नहीं जाएगा।
- ▶ सीयूईटी (यूजी) - 2024 के लिए पंजीकरण करने से पहले, उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वे सूचना बुलेटिन (बीओआई) 2024-25 को ध्यान से पढ़ें और दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 और कानून से परामर्श लें। दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश, नियम और विनियम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है, जो उन पर बाध्यकारी होंगे।

6. दस्तावेज सत्यापन और अनुपालन

- ▶ प्रवेश के लिए किसी भी आवश्यकता का अनुपालन न करने में संबंधित दस्तावेजों को जमा न करना और निर्धारित तिथि और समय के भीतर शुल्क का भुगतान न करना शामिल है। ऐसी स्थिति में प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा।
- ▶ यदि किसी भी स्तर पर, किसी उम्मीदवार के प्रवेश से संबंधित मूल दस्तावेज नकली/गैर-वास्तविक या मनगढ़ंत पाए जाते हैं, तो संबंधित उम्मीदवार को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और यदि पहले ही प्रवेश ले लिया है, तो बिना किसी पूर्व सूचना के प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। ऐसे मामलों में कोई शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। यदि कोर्स पूरा करने के बाद ऐसा पाया जाता है, तो उम्मीदवार की डिग्री रद्द कर दी जाएगी और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

7. नीति और प्रक्रिया अद्यतन

- ▶ दिल्ली विश्वविद्यालय बिना किसी पूर्व सूचना के इस बुलेटिन के किसी भी हिस्से को संशोधित करने, अद्यतन करने या हटाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इस प्रकार किया गया कोई भी परिवर्तन यूजी प्रवेश वेबसाइट पर अपडेट किया जाएगा और पोस्ट किए जाने की तारीख से प्रभावी होगा।
- ▶ दिल्ली विश्वविद्यालय सीयूईटी (यूजी) - 2024 से संबंधित प्रश्नपत्रों/संरचना/परीक्षाओं के तरीके/तिथियों/शिकायतों में किसी भी बदलाव/संशोधन के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
- ▶ दिल्ली विश्वविद्यालय बिना किसी पूर्व सूचना के किसी भी समय अपनी प्रवेश नीतियों और प्रक्रियाओं को बदलने/संशोधित करने के लिए उत्तरदायी है। नवीनतम और अद्यतन जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

8. सामान्य टिप्पणियां

- ▶ सीयूईटी (यूजी) में उचित अनुपात - 2024 स्कोर जहां भी आवश्यक हो (अतिसंख्यक सहित) किया जाएगा।
- ▶ सीयूईटी (यूजी) - 2024 या आवश्यक भाषा, डोमेन विशिष्ट विषयों या सामान्य परीक्षा में उपस्थित न होने से संबंधित शिकायतों पर विचार नहीं किया जाएगा।
- ▶ सूचना का यह बुलेटिन एनटीए और विभिन्न संकायों, विभागों, केंद्रों, कॉलेजों, दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों और संबंधित स्रोतों से जुटाए गए इनपुट का एक संग्रह है। जहां तक संभव हो इस बुलेटिन में नियमों और विनियमों के प्रामाणिक, आधिकारिक संस्करण और अतिरिक्त प्रासंगिक जानकारी को पुनः प्रस्तुत करने का उचित ध्यान रखा गया है। हालांकि, इसे किसी भी स्थिति में, तैयार संदर्भ के रूप में अब तक प्रदान की गई जानकारी की पूर्णता और सटीकता के संबंध में वारंटी, व्यक्त या निहित नहीं माना जाना चाहिए।
- ▶ दिल्ली विश्वविद्यालय बुलेटिन में दी गई जानकारी के आधार पर की गई किसी भी कार्रवाई से होने वाले किसी भी नुकसान या क्षति के लिए किसी भी व्यक्ति के प्रति किसी भी दायित्व से इनकार करता है। बुलेटिन में यदि कोई त्रुटि पाई जाती है, तो वह अनजाने में हुई चूक, लिपिकीय गलतियों या किसी अन्य कारण से हो सकती है।

Candidate must appear in at least One Language. Candidate must appear in the Language s(he) has studied in Class XII.

Candidate must refer to the Program-Specific Eligibility to choose the Domain Specific subjects in which s(he) should appear in CUET (UG) - 2024

General Test is considered for admission in numerous program in the University of Delhi. Candidate must refer to Program Specific Eligibilities for details.

विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ संयोजन

बी. ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी का पाठ्यक्रम छात्रों को अंग्रेजी में लिखे साहित्यिक पाठों का विश्लेषण करने, सराहना करने, समझने और आलोचनात्मक रूप से जुड़ने, विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने में मदद करता है। इसका उद्देश्य छात्रों को किसी पेशे के लिए योग्य बनाना या विशेष रोजगार के अवसर प्रदान करना है। स्नातकों को विभिन्न प्रकार की नौकरियों में प्रवेश करने या उच्च स्तर पर अकादमिक अध्ययन जारी रखने में सक्षम बनाया जाता है।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा। सूची ए से अंग्रेजी + सूची बी 1 से कोई भी दो विषय + सूची बी 1 या सूची बी 2 में से कोई एक विषय। मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

यह कार्यक्रम हिंदी के विद्यार्थियों को भाषा क्षमता की व्यापक समझ से परिचित कराता है। साथ ही उनमें स्थानीय और वैश्विक स्तर पर समाज की चुनौतियों के संदर्भ में जुड़ने की क्षमता भी विकसित करता है। इससे हिंदी साहित्य की नई समझ, भाषा की व्यावहारिकता और पेशेवर दक्षता भी मिलती है।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा। सूची ए से हिंदी + सूची बी 1 से कोई दो विषय + सूची बी 1 या सूची बी 2 में से कोई एक विषय। मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

बी. ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम अर्थशास्त्र अनुशासन में अधिकांश उन्नत सोच के लिए एक कठोर आधार प्रदान करता है। यह छात्रों को फर्मों और सरकारी संस्थानों के व्यवहार और बातचीत की अवधारणा और व्याख्या समकालीन प्रासंगिकता वाले पाठ्यक्रमों के एक सेट से वैकल्पिक पाठ्यक्रम चुनने की अनुमति देता है, जिससे छात्रों को शिक्षा, कानून, प्रबंधन, पत्रकारिता, सरकार और कई अन्य क्षेत्रों में करियर के लिए तैयारी करने की सुविधा मिलती है। यह पाठ्यक्रम अर्थशास्त्र अनुशासन में वैश्विक मानकों के अनुरूप है। यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में एक स्नातक छात्र के बराबर प्रशिक्षण प्रदान करता है।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा। सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी 1 से होना चाहिए। मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

बी. ए. (ऑनर्स) भूगोल

बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल के छात्र विभिन्न उपक्षेत्रों जैसे भौतिक विज्ञान, संसाधन, वैश्विक आर्थिक प्रणाली, सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं, ग्रामीण और शहरी परिवेश, पर्यावरण और आपदा अध्ययन और मानचित्रण विधियों की भौगोलिक समझ का उपयोग करना सीखेंगे। उन्हें मानचित्रों को पढ़ने और व्याख्या करने, ट्रांसेक्ट चार्ट और विषयगत एटलस तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। वे मौसम मानचित्रों और चार्टों के माध्यम से मौसम की घटनाओं को पढ़ें और उनका विश्लेषण भी कर सकते हैं। इसके अलावा, छात्र डेटा प्रबंधन, परिकल्पना निर्माण, परीक्षण और विश्लेषण की वैज्ञानिक पद्धति सीखेंगे। कोर्स पूरा करने के बाद, छात्र रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना विज्ञान, डिजिटल रूप से मानचित्र तैयार करने और मॉडलिंग अनुप्रयोगों के अध्ययन के माध्यम से विभिन्न तकनीकी अनुप्रयोगों का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा। सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी 1 से कोई दो विषय + सूची बी 1 या सूची बी 2 में से कोई एक विषय। मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास

यह कोर्स स्नातक विशेषताओं जैसे कल्याण, भावनात्मक स्थिरता, महत्वपूर्ण सोच, सामाजिक न्याय और रोजगार योग्यता कौशल को विकसित करने की पेशकश करता है। बी. ए. (ऑनर्स) इतिहास छात्रों को शैक्षणिक रूप में आयोजित क्षेत्र में हालिया इतिहास लेखन तक पहुंच प्रदान करता है। यह कोर्स एक छात्रों के लिए संरचित है, जो उन्हें इतिहास के अनुशासन का संक्षिप्त और संपूर्ण परिचय प्रदान करता है और उस संज्ञानात्मक अनुशासन के प्रति संवेदनशील रहता है, जिसका वे अध्ययन भी कर रहे हैं। यह संचार के तरीकों को खोलने के लिए मानविकी और सामाजिक विज्ञान में विषयों के साथ अंतरसंबंध के कई बिंदु प्रदान करना चाहता है, जिसके द्वारा एक ऐतिहासिक संवेदनशीलता एक समृद्ध अनुभव हो सकता है।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा। सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय। मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

इस कोर्स का उद्देश्य छात्रों को राजनीति के सवालों को पेश करने के तरीके से अवगत कराना और समाज में अस्तित्व पर गंभीर रूप से सवाल उठाना है। विभिन्न परंपराओं के दार्शनिकों का परिचय देकर, छात्र कुछ बुनियादी राजनीतिक सवालों का जवाब दे सकते हैं जैसे कि हम राजनीतिक समुदायों में क्यों रहते हैं? सरकार का सर्वोत्तम स्वरूप क्या है? मानव स्वभाव राजनीतिक निर्णय लेने को किस प्रकार प्रभावित करता है? हमें बुरे शासकों का विरोध कैसे और किन परिस्थितियों में करना चाहिए? कार्यक्रम के अंत तक, छात्र आधुनिकता के विचार को समझ सकते हैं और आधुनिकता के माध्यम से उत्पन्न सामाजिक परिवर्तनों और इसके निर्धारित राजनीतिक सुझावों के बीच संबंध स्थापित कर सकते हैं।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा। सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय। मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी.ए. (प्रोग्राम)

बी. ए. (प्रोग्राम) कोर्स छात्रों को उनकी विशेषज्ञता के विषयों में स्नातक करने के लिए आकर्षित करने के लिए विषय संयोजनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। (कार्यक्रम) संयोजन जिसमें से एक छात्र उन विषयों को चुन सकता है, जिनमें वह अपनी आगे की पढ़ाई करना पसंद कर सकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय लगभग 190 बी.ए. (प्रोग्राम) संयोजन प्रदान करता है, जिससे विभिन्न विषयों का एक सम्मिश्रण होता है। बी.ए. (प्रोग्राम) से संबंधित विवरण के लिए विभिन्न कॉलेजों में पेश किए जाने वाले संयोजन, सूचना के विश्वविद्यालय बुलेटिन के अनुलग्नक - I को देखें।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सी यू ई टी में उपस्थित होना होगा।

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय या

संयोजन II: सूची A में से कोई एक भाषा + सूची B1 या सूची B2 में से कोई एक विषय + सीयूईटी का खंड III (सामान्य परीक्षण) मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

ध्यान दें: चूंकि सीयूईटी अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपातिकता की जाएगी।

बी.ए. (प्रोग्राम) संयोजन, जहां गणित/सांख्यिकी/कंप्यूटर अनुप्रयोग/कंप्यूटर विज्ञान दो मुख्य विषयों में से एक है, यह अनिवार्य है कि उम्मीदवार ने बारहवीं कक्षा की परीक्षा में गणित का अध्ययन किया हो और उत्तीर्ण किया हो। इसी प्रकार, जहां भी किसी भाषा को दो विषयों में से एक के रूप में पेश किया जा रहा हो, उम्मीदवार को उस भाषा का कार्यसाधक ज्ञान होना चाहिए।

बी.एस.सी (ऑनर्स) बायोकेमिस्ट्री

जैव रसायन गतिशील विज्ञान की वह शाखा है जो जीवित जीवों/प्रणालियों के भीतर रासायनिक प्रक्रियाओं का पता लगाती है। जैव रसायन के अध्ययन का उद्देश्य यह समझना है कि जीवित जीवों का निर्माण करने वाले सभी अणु जीवन को बनाए रखने और बनाए रखने लिए कैसे परस्पर क्रिया करते हैं। यह जीवित जीवों की जटिलता, विशिष्टकार्यों वाले जीवों के भीतर सूक्ष्म और स्थूल संरचनाओं और पर्यावरण से ऊर्जा निकालने और परिवर्तित करने की उनकी प्रणालियों से संबंधित है। यह कोर्स छात्रों को प्रयोगशाला में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अलावा, कार्यक्रम की सामग्री छात्रों को गहन अवलोकन कौशल विकसित करने और प्रयोगात्मक डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करने की क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे वे उच्च शिक्षा में भविष्य के करियर और उद्योग और अनुसंधान संस्थानों में रोजगार के लिए उपयुक्त बन जाते हैं।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा।

संयोजन I: रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन + भौतिकी या

संयोजन II: रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन + गणित / अनुप्रयुक्त गणित

मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एस.सी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान

बी.एस.सी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम पौधों का समग्र रूप से अध्ययन करने के लिए आवश्यक ज्ञान और तकनीकी कौशल प्रदान करता है। छात्रों को महत्वपूर्ण अंतःविषय घटकों के साथ कोर और वैकल्पिक पेपर के एक अद्वितीय संयोजन का उपयोग करके पादप जीव विज्ञान के सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। छात्रों को वर्तमान में पौधों के जीवन रूपों, उनके विकास और पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर अन्य जीवों के साथ बातचीत के अध्ययन में उपयोग की जाने वाली अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों से अवगत कराया जाएगा। छात्र पौधों के सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उनकी प्रासंगिकता से भी अवगत होंगे।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:

भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एस.सी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान

बी.एस.सी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम अकार्बनिक, कार्बनिक, भौतिक, सामग्री और विश्लेषणात्मक में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम छात्रों को अच्छे सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक ज्ञान के साथ प्रशिक्षित करेगा जो शिक्षाविदों और उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप है। यह कार्यक्रम रसायन विज्ञान और संबद्ध क्षेत्रों में करियर जैसे अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त कौशल भी प्रदान करता है। यह कार्यक्रम देश के सबसे बड़े और सबसे पुराने विभागों में से एक द्वारा समाज की मांगों को पूरा करने के लिए सर्वोत्तम दिमाग तैयार करने के लिए पेश किया जाता है। बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान छात्रों को उन लक्ष्यों के बारे में एक सूचित निर्णय लेने में मदद करेगा जो वे आगे की शिक्षा और जीवन में हासिल करना चाहते हैं।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:

भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित/अनुप्रयुक्त गणित

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एस.सी (ऑनर्स) गणित

बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम का उद्देश्य आलोचनात्मक, तार्किक और विश्लेषणात्मक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करना है और इसलिए रोजमर्रा की जिंदगी में गणितीय तर्क का उपयोग करना है। गणित में डिग्री हासिल करने से छात्रों को शिक्षा, अनुसंधान, सरकारी क्षेत्र, व्यापार क्षेत्र और उद्योग में कई गणित करियर की तैयारी में कई दिलचस्प और मूल्यवान विचारों से परिचित कराया जाएगा। बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम शास्त्रीय कैलकुलस से लेकर आधुनिक क्रिप्टोग्राफी, सूचना सिद्धांत और नेटवर्क सुरक्षा तक गणित की पूरी श्रृंखला को कवर करता है। कार्यक्रम विशेष रूप से गणित के लिए कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, सार बीजगणित, विभेदक समीकरण (गणितीय मॉडलिंग सहित), संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत और सी ++ प्रोग्रामिंग की एक संरचित नींव रखता है।

विशिष्ट पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:

सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

बी.एस.सी (ऑनर्स) भौतिकी

भौतिकी एक प्रायोगिक और सैद्धांतिक विज्ञान है जो उप-परमाणु डोमेन से लेकर संपूर्ण ब्रह्मांड तक लंबाई के पैमाने पर संचालित प्रकृति के नियमों का व्यवस्थित रूप से अध्ययन करता है। बीएससी के अनुशासनात्मक/विषय क्षेत्र के भीतर अध्ययन के मुख्य क्षेत्र। (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम है: शास्त्रीय और क्वांटम यांत्रिकी, बिजली और चुंबकत्व, थर्मल और सांख्यिकीय भौतिकी, तरंग सिद्धांत और प्रकाशिकी, सामग्री का भौतिकी, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, और विशेष तरीके गणितीय भौतिकी और विषय की विभिन्न शाखाओं में उनके अनुप्रयोग। सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ-साथ, छात्र भौतिकी की विभिन्न शाखाओं के लिए भौतिकी प्रयोगशाला के तरीके, विशेष माप तकनीक, त्रुटि अनुमान सहित अवलोकन डेटा का विश्लेषण और वैज्ञानिक रिपोर्ट लेखन भी सीखते हैं। भौतिकी शिक्षाशास्त्र में नवीनतम जोड़ कम्प्यूटेशनल भौतिकी है, जिसमें एल्गोरिथम समाधानों के लिए भौतिकी समस्याओं को अपनाना और भौतिक घटनाओं का मॉडलिंग और अनुकरण करना शामिल है।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:

भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित/अनुप्रयुक्त गणित

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एस.सी (ऑनर्स) जूलॉजी

इस कार्यक्रम के माध्यम से, छात्र विभिन्न मानव प्रणालियों, उनके समन्वय और नियंत्रण के बारे में जानने और जानने के लिए अधिक सुसज्जित होंगे। जूलॉजी डिग्री प्रोग्राम आबादी के बीच अन्य लक्षणों के वितरण, उनकी विरासत, जातीयता को समझने और जीनोमिक्स, मेटागेनोमिक्स, जीनोम संपादन और आणविक निदान उपकरण जैसी समकालीन और आधुनिक तकनीकों के साथ सहसंबंध बनाने के लिए शास्त्रीय आनुवंशिकी को समझने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के व्यावहारिक और सैद्धांतिक कौशल सामाजिक कल्याण के लिए विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को डिजाइन करने में मदद करेंगे। कार्यक्रम को रोजगार कौशल के विकास को सुनिश्चित करने वाले व्यावहारिक विषयों का गहन ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि छात्र अपना करियर बना सकें और जलीय जीव विज्ञान, रेशम उत्पादन, मधुमक्खी पालन आदि के विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमी बन सकें। इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद, छात्र योगदान दे सकते हैं वन्यजीव संरक्षण, पशु संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण में नीति निर्माताओं के रूप में।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:

भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एस.सी (प्रोग.) लाइफ साइंस

यह कार्यक्रम छात्रों को जैविक विज्ञान के संबद्ध विषयों के साथ-साथ अनुशासनात्मक विषयों का व्यापक ज्ञान प्राप्त करने की पेशकश करेगा, जो छात्रों को दुनिया में मौजूद जीवन प्रक्रियाओं की विविधता के साथ-साथ उनके विकासवादी पहलुओं को समझने और उनकी सराहना करने में मदद करेगा। इसके अलावा, कार्यक्रम जीनोमिक्स, मेटा जेनेटिक्स जैसे अनुसंधान उपकरणों और कम्प्यूटेशनल उपकरणों को संभालने के कौशल विकसित करेगा और सामाजिक कल्याण के लिए समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को डिजाइन करने में ज्ञान प्राप्त करेगा।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:

रसायन विज्ञान + भौतिकी + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एस.सी (प्रोग.) फिजिकल साइंस के साथ रसायन विज्ञान

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को एसआई इकाइयों, एकाग्रता शर्तों, विभिन्न विश्लेषणात्मक तरीकों, रासायनिक विश्लेषण में त्रुटियों के प्रकार, डेटा के सांख्यिकीय परीक्षण और रसायनों और उनके अपशिष्टों के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक करना है।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:

भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान

मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET स्कोर पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एस.सी (प्रोग्राम) फिजिकल साइंस के साथ कंप्यूटर विज्ञान/सूचना विज्ञान

कार्यक्रम कंप्यूटर आधारित प्रणाली को डिजाइन करने, लागू करने और मूल्यांकन करने के लिए कौशल प्रदान करता है और कंप्यूटर सिस्टम, बुनियादी सिद्धांतों और भौतिक विज्ञान से संबंधित उनके अनुप्रयोग को समझकर कम्प्यूटेशनल समस्याओं को हल करने के लिए कंप्यूटिंग का ज्ञान लागू करता है। इसके अलावा, यह विभिन्न प्रकार के दर्शकों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता प्रदान करता है।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान

या

संयोजन II: भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर विज्ञान/सूचना विज्ञान अभ्यास

मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम CUET स्कोर पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.कॉम. (ऑनर्स)

बी.कॉम. दिल्ली विश्वविद्यालय का (ऑनर्स) कार्यक्रम छात्रों को व्यवसाय से संबंधित समकालीन वास्तविकताओं का विश्लेषण और संश्लेषण करने के लिए ज्ञान, कौशल और क्षमता हासिल करने में सक्षम और सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम परिवर्तन और प्रतिस्पर्धा की हवाओं और सतत विकास के बेहद जरूरी परिप्रेक्ष्य के सामने मौजूदा व्यवसायों को बनाए रखने और बनाए रखने के लिए प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आज की व्यावसायिक वास्तविकताओं से निपटने के लिए वैचारिक समझ पैदा करना और उन्हें आगे बढ़ने और कल की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करना है। यह छात्रों को संबंधित क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण की दुनिया से भी परिचित कराता है, जैसा कि विद्वानों और नीति निर्माताओं द्वारा कल्पना की गई है। जैसा कि भारत सरकार द्वारा आदेश दिया गया है, यह पाठ्यक्रम उद्यमशीलता की मानसिकता और कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची बी1 से होना चाहिए या

संयोजन II: सूची ए से कोई एक भाषा + अकाउंटेंसी/बुक कीपिंग + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची बी1 से होना चाहिए

मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम CUET स्कोर पर आधारित होगी

बी.कॉम. (प्रोग्राम)

वाणिज्य को समाज और व्यवसाय के बीच एक कड़ी के रूप में देखा जाता है। समय के साथ दोनों के बीच बातचीत की प्रकृति और उद्देश्य में जबरदस्त बदलाव आया है। सूचना प्रौद्योगिकी ने व्यवसाय के आकार और डिज़ाइन को फिर से तैयार किया है, जिससे इसकी प्रकृति और सामाजिक कामकाज के मैट्रिक्स में बदलाव आया है। इस परिवर्तन के निहितार्थ को पहचानते हुए, बी.कॉम. कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में व्यवसाय जगत की कार्यप्रणाली और परिसर की समझ पैदा करना है। इसे प्राप्त करने के लिए, कार्यक्रम छात्रों को संगठनात्मक कामकाज, वित्तीय प्रणालियों, अर्थव्यवस्था की समझ, व्यवसाय को नियंत्रित करने वाले कानूनों, समाज तक पहुंचने के लिए व्यवसायों द्वारा अपनाई गई रणनीतियों आदि के विभिन्न पहलुओं को जानने का अवसर प्रदान करता है। रोजगार चाहने वाले के रूप में नहीं बल्कि एक उद्यमी और नौकरी निर्माता के रूप में समाज की सेवा करने के लिए अन्वेषण करें, प्रयोग करें और खुद को तैयार करें।

पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय या

संयोजन II: सूची A में से कोई एक भाषा + सूची B1 या सूची B2 में से कोई एक विषय + CUET का खंड III (सामान्य परीक्षण)

मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम CUET स्कोर पर आधारित होगी।

ध्यान दें: चूंकि CUET अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपातिकता की जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय - अतिरिक्त कोटा के माध्यम से प्रवेश

महत्वपूर्ण नोट: किसी भी अतिरिक्त कोटा श्रेणी के तहत प्रवेश के पात्र होने के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उपस्थित होना अनिवार्य है।

अतिरिक्त कोटा के अंतर्गत श्रेणियाँ:

- ▶ **सशस्त्र बलों (सीडब्ल्यू) के कर्मियों के बच्चे/विधवाएँ:** सभी कॉलेजों में सभी कार्यक्रमों में 5% सीट आरक्षण। एक विशिष्ट प्रारूप में शैक्षिक रियायत प्रमाणपत्र (ईसीसी) की आवश्यकता होती है। प्रवेश प्राथमिकता श्रेणी (I से IX) पर आधारित है।
- ▶ **खेल:** खेल में प्रमाणपत्र/परीक्षण/प्रदर्शन को 75% वेटेज और सीयूईटी स्कोर को 25% वेटेज के आधार पर प्रवेश।
- ▶ **जम्मू और कश्मीर के लिए पीएमएसएस (प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना):** सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उपस्थित होना आवश्यक है।
- ▶ **दिल्ली विश्वविद्यालय (डब्ल्यूयू) के कर्मचारियों का वार्ड कोटा:** सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उपस्थित होना और विश्वविद्यालय/कॉलेज द्वारा जारी एक वैध रोजगार प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। प्रवेश क्लस्टर-वार योग्यता (मानविकी, वाणिज्य, विज्ञान) और उम्मीदवार की प्राथमिकताओं पर आधारित है।
- ▶ **बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी):** सभी कार्यक्रमों में 5% सीट आरक्षण। CUET (UG) - 2024 में उपस्थित होना और निर्दिष्ट प्रारूप में विकलांगता प्रमाणपत्र की आवश्यकता है। शुल्क रियायतें प्रदान करता है।
- ▶ **कश्मीरी प्रवासी (केएम):** सभी कार्यक्रमों में 5% तक सीट आरक्षण। CUET (UG) - 2024 में उपस्थित होना और कश्मीरी प्रवासियों के रूप में पंजीकरण का प्रमाण पत्र आवश्यक है।
- ▶ **सिक्किमी छात्रों (एसएस) का नामांकन:** सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उपस्थित होना और सिक्किम सरकार द्वारा नामांकन आवश्यक है। छात्रावास सुविधा वाले महाविद्यालयों में सीमित सीटें उपलब्ध हैं।
- ▶ **अनाथ कोटा (OQ):** प्रति कार्यक्रम दो अतिरिक्त सीटें (एक पुरुष, एक महिला)। सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उपस्थित होने और किसी मान्यता प्राप्त अनाथालय/चैरिटी होम से प्रमाण पत्र या माता-पिता दोनों के मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। महत्वपूर्ण शुल्क रियायतें प्रदान करता है।
- ▶ **पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए):** ईसीए में प्रमाणपत्रों/परीक्षणों/प्रदर्शनों को 75% वेटेज और सीयूईटी स्कोर को 25% वेटेज के आधार पर प्रवेश।

प्रवेश के समय अपलोड किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों की सूची।

आवेदकों को प्रवेश के समय निम्नलिखित दस्तावेज अपलोड करने होंगे।

दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा प्रमाणपत्र और मार्कशीट

बारहवीं कक्षा की मार्कशीट

बारहवीं कक्षा का अनंतिम प्रमाणपत्र/मूल प्रमाणपत्र

उम्मीदवार के नाम पर एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी/सीडब्ल्यू/केएम/ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र

कृपया पात्रता मानदंड, दस्तावेज आवश्यकताओं और प्रत्येक अतिरिक्त कोटा श्रेणी के लिए प्रवेश प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट (<https://admission.uod.ac.in/>) देखें।

प्रवेश समिति

प्रवेश समिति

डॉ. प्रीति तिवारी (संयोजक)
डॉ. विकास शर्मा (सह संयोजक)
डॉ. दिव्या मदान (सह-संयोजक)
डॉ. मोहन कुमार (सह संयोजक)
डॉ. वनिता चट्टा (सह-संयोजक)
डॉ. सुनील यादव (सह संयोजक)

बी० ए (प्रोग्राम)

डॉ. सियामलियानवुंग हांग्जो
प्रोफेसर दर्शन पांडे
डॉ. भरत रत्न
डॉ. निष्ठा श्रीवास्तव
डॉ. अलका मुद्रल

बीएससी (प्रोग्राम) लाइफ साइंस

सुश्री निमिता कांत
डॉ. स्मिता त्रिपाठी

बीएससी (प्रोग्राम) फिजिकल साइंस

प्रोफेसर राहुल सिंघल
डॉ. ममता

बीएससी (प्रोग्राम) एप्लाइड फिजिकल साइंस

सुश्री प्रीति शर्मा
प्रो. मृदुला बुधराजा

बी.कॉम (प्रोग्राम)

डॉ. राजेंद्र सिंह

सामान्य परामर्श एवं शिकायत निवारण कक्ष

डॉ. भारती
श्री मोहन कुमार
श्री अंकुश कुमार

सहायता केंद्र

डॉ. श्वेताम्बरी
श्री मनीष कुमार मीना गणित
डॉ. त्वेवांग नामगियाल

एससी, एसटी और ओबीसी काउंसलिंग

डॉ. मीशा यादव
सुश्री योगिता रानी नेगी
श्री राहुल अर्थशास्त्र

उत्तर पूर्व सेल

डॉ. सियामलियानवुंग हांग्जो
श्री तैयंजम प्रियोकुमार सिंह

पीडब्ल्यूडी परामर्श

डॉ. रजनीश
श्री तुगुतला चंद्र शेखर रेड्डी
डॉ. अमित कुमार

सामान्य छात्र शिकायत निवारण समिति

प्रो. तेजबीर सिंह राणा (संयोजक)
डॉ. सुमन खरबंदा
प्रो. वी. प्रभावती
श्री गौरव गोयल
डॉ. राजेंद्र सिंह

शुल्क रियायत समिति

डॉ. प्रशांत कुमार साहू (संयोजक)
प्रो. खुर्शीद खान
सुश्री इति डंडोना
डॉ. चक्रप्रम प्रियंका
श्री राकेश यादव
डॉ. रजनीश
डॉ. मेघराज मीणा
डॉ. अमिता हांडा
सुश्री योगिता रानी नेगी
डॉ. सुनील यादव
डॉ. किरण चौधरी (बरसर)

खेल और ईसीए सीट मैट्रिक्स

Sports Seat Matrix

S. No.	Name of Sport	Number of Seats
1.	Chess (Women)	6
2.	Chess (Men)	6
3.	Basketball (Women)	12
4.	Volleyball (Women)	7
Total		31

ECA Seat Matrix

Category Sl. No	Category	Sub Category Sl. No. (if applicable)	Sub-category (if applicable)	No. of Seats offered
2	Dance	2. a	Dance: Indian Classical	2
		2. b	Dance: Indian Folk	4
		2. c	Dance: Western	2
		2. d	Dance: Choreography	1
3	Debate	3. a	Debate: Hindi	2
		3. b	Debate: English	2
4	Digital Media	4. a	Digital Media: Photography	2
		4. b	Digital Media: Film Making	2
5	Fine Arts	5. a	Fine Arts: Sketching & Painting	2
		5. b	Fine Arts: Sculpture	1
6	Music (Vocal)	6. a	Music (Vocal): Indian	4
7	Music (Instrumental: Indian)	7. a	Music (Instrumental: Indian) Tabla	1
		7. f	Music (Instrumental: Indian) Harmonium	1
		7. h	Music (Instrumental: Indian) Sitar	1
8	Music (Instrumental: Western)	8. a	Music (Instrumental: Western) Drums	1
		8. e	Music (Instrumental: Western) Guitar (Bass)	1
		8. f	Music (Instrumental: Western) Violin	1
		8. g	Music (Instrumental: Western) Keyboard	1
9	Theatre	–	–	5
12	NCC	–	–	5 (3 Male + 2 Female)
13	NSS	–	–	4
Total ECA seats being offered				45

Please refer to University of Delhi Bulletin of Information 2024 for details on Supernumerary Seats and admission process

यूजीसीएफ संरचना (2024-25)

TABLE - 1
Bachelor of (Field of Study/ Discipline) (Hons.)

TABLE – 1								
Bachelor of (Field of Study/ Discipline) (Hons.)								
Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprenticeship/Project/ Community outreach (2)	Value addition course (VAC)	Total Credits
I	DSC - 1(4)		Choose one from a pool of courses GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
	DSC - 2(4)							
	DSC - 3(4)							
II	DSC - 4(4)		Choose one from a pool of courses GE-2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
	DSC - 5(4)							
	DSC - 6(4)							
Students on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Study/ Discipline) after securing the requisite 44 credits in Semesters I and II								Total = 44
III	DSC - 7(4)	Choose one from pool of courses, DSE - 1 (4) OR Choose one from pool of courses, GE -3 (4)**	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2)*	Choose one from a pool of courses (2)		22 credits	
	DSC - 8(4)							
	DSC -9 (4)							
IV	DSC - 10(4)	Choose one from pool of courses, DSE - 2 (4) OR in the alternative choose one from pool of courses GE - 4 (4)*	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR 'Internship/Apprenticeship/ Project/community outreach (IAPC) (2)*	Choose one from a pool of courses (2)		22 Credits	
	DSC - 11(4)							
	DSC - 12(4)							
Students on exit shall be awarded Undergraduate Diploma (in the Field of Study/ Discipline) after securing the requisite 88 credits on completion of Semester IV								Total = 88
V	DSC - 13(4)	Choose one from a pool of courses DSE - 3 (4)	Choose one from a pool of courses GE-5 (4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community Outreach (IAPC) (2)***		22 credits	
	DSC - 14(4)							
	DSC- 15(4)							
VI	DSC - 16(4)	Choose one from a pool of courses DSE - 4 (4)	Choose one from a pool of courses GE-6 (4)^		Choose one SEC OR 'Internship/Apprenticeship/ Project/Research/Community Outreach (2)***		22 credits	
	DSC -17 (4)							
	DSC -18 (4)							
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/ Discipline) Honours (3 years) after securing the requisite 132 credits on completion of Semester VI								Total = 132
VII	DSC-19 (4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE- (2x4) and one GE (4)^ course OR Choose one DSE and two GE (4) courses OR All three GE 7, 8 & 9 (3x4) (total = 12)#					Dissertation on Major (6) OR Dissertation on Minor (6) OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
VIII	DSC -20 (4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE- (2x4) and one GE (4) course OR Choose one DSE and two GE (4) courses OR All three GE 10, 11 & 12 (3x4) (total = 12)#					Dissertation on Major (6) OR Dissertation on Minor (6) OR Academic project/ Entrepreneurship (6)	22 credits
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Study/Discipline) (Honours with Research/Academic Projects/Entrepreneurship) or (Honours with Research in Discipline-1 (Major) with Discipline-2 (Minor) after securing the requisite 176 credits on completion of Semester VIII								Total = 176

* There shall be choice in III and IV Semesters to choose either one 'SEC' or in the alternative 'Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach' in each Semester for two credits each.

** There shall be choice in Semester III and IV to either choose a DSE or a GE.

***There shall be choice in V and VI Semesters to choose either one 'SEC' or in the alternative 'Internship/Apprenticeship/Project/Research/Community Outreach' in each Semester for two credits each.

There shall be four choices in VII and VIII Semesters –

(i) to choose three DSEs of 4 credits each OR

(ii) to choose two DSEs and one GE of 4 credits each OR

(iii) to choose one DSE and two GEs of 4 credits each OR

(iv) to choose three GEs of 4 credits each.

^ 'Research Methodology' shall be offered as one of the GE courses in VI and VII Semesters. Students can opt for it either in VI semester or VII semester. However, students pursuing multidisciplinary studies in three core disciplines shall have to choose research methodology in VI semester, if she/he wishes to Major in one of the three disciplines in the fourth year.

Illustration - 1: Sample UGCF for Multidisciplinary Courses of Study @#

Semester	Core (DSC)	Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprenticeship/Project (2)	Value addition course (VAC)	Total Credits
I	Discipline A 1- (4)		Choose one from a pool of courses GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
	Discipline B 1- (4)							
	Discipline C 1- (4)							
II	Discipline A 2 (4)		Choose one from a pool of courses GE-2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits
	Discipline B 2 (4)							
	Discipline C 2 (4)							
Students on exit shall be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 44 credits in Semesters I and II								Total = 44
III	Discipline A 3 (4)	Choose from pool of courses, DSE A/B/C (4) OR	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/community Outreach (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 credits	
	Discipline B 3 (4)	Choose from pool of courses, GE -3 (4)						
	Discipline C 3 (4)							
IV	Discipline A 4 (4)	Choose from pool of courses, DSE A/B/C (4) OR in the alternative GE - 4 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/community outreach (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits	
	Discipline B 4 (4)							
	Discipline C 4 (4)							
Students on exit shall be awarded Undergraduate Diploma (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 88 credits on completion of Semester IV								Total = 88
V	Discipline A 5 (4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C - (4)	Choose one from a pool of courses GE-5 (4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Community outreach (2)		22 credits	
	Discipline B 5 (4)							
	Discipline C 5 (4)							
VI	Discipline A 6 (4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C - (4)	Choose one from a pool of courses GE-6 (4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/ Project/Research/Community Outreach (2)		22 credits	
	Discipline B 6 (4)							
	Discipline C 6 (4)							
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary Study) after securing the requisite 132 credits on completion of Semester VI								Total= 132
VII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE- (2x4) and one GE (4) course OR Choose one DSE and two GE (4) courses OR All three GE 7, 8 & 9 (total = 12)					Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project/ Entrepreneurship (4+2)	22 credits
VIII	DSC - (4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE- (2x4) and one GE (4) course OR Choose one DSE and two GE (4) courses OR All three GE 10, 11 & 12 (total = 12)					Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project/ Entrepreneurship (4+2)	22 credits
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary Study) (Honours or Honours with Academic Projects/Entrepreneurship) after securing the requisite 176 credits on completion of Semester VIII								Total = 176

@# - The framework is based on the Common UGCF provided in Table-I and is relevant for those programmes where more than one discipline is preferred as core courses, such as Bachelor in Life Sciences, Physical Sciences, Commerce Studies, Humanities and Social Sciences or any other such multidisciplinary fields of study.

(Source: https://centenary.du.ac.in//userfiles/downloads/02032022_UGCF_compressed.pdf)

सेमेस्टर 1 के लिए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम

क्र.सं.	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम विभाग का नाम , विभाग द्वारा प्रस्तुत एसईसी (sec)पेपर का नाम	मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विभाग का नाम, विभाग द्वारा प्रस्तावित वीएसी(vac) पेपर का नाम
1.	जैव रसायन- स्थिरता के लिए ई-कचरे का पूर्वक्षण	एनवायरनमेंटल ऑडिटिंग
2.	वनस्पति विज्ञान-सतत इकोटूरिज्म और उद्यमिता	जैव रसायन- आयुर्वेद एवं पोषण
3.	रसायन शास्त्र- आवश्यक भोजन पोषक तत्व	वनस्पति विज्ञान- विज्ञान एवं समाज
4.	वाणिज्य- व्यक्तिगत वित्तीय योजना	रसायन शास्त्र- विज्ञान और समाज
5.	कंप्यूटर साइंस- बेसिक आईटी उपकरण	वाणिज्य- वित्तीय साक्षरता
6.	अंग्रेजी- व्यावसायिक जीवन में संचार	अर्थशास्त्र - भावनात्मक बुद्धिमत्ता
7.	हिंदी- रंगमंच	अंग्रेजी-रीडिंग इंडियन फिक्शन इन इंग्लिश
8.	इतिहास- संग्रहालय एवं संग्रहालय विज्ञान	हिंदी-भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य
9.	गणित- आईटी कौशल और डेटा विश्लेषण ।	इतिहास- गांधी और शिक्षा
10.	भौतिकी- दस्तावेज तैयारी और प्रस्तुति सॉफ्टवेयर	गणित- वैदिक गणित-1
11.	राजनीति विज्ञान- राजनीतिक नेतृत्व और संचार	भौतिकी-डिजिटल सशक्तिकरण
12.	संस्कृत- अभ्यास में योग	राजनीति विज्ञान-संवैधानिक मूल्य एवं मौलिक कर्तव्य
13.	जूलॉजी- बुनियादी प्रयोगशाला तकनीकें	एपिकलचर

पाठ्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी के लिए देखें: <https://www.du.ac.in/index.php?page=nep-ugcf-2022-syllabi>

विभाग

जैव रसायन विभाग

बायोकेमिस्ट्री में स्नातक की डिग्री दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पेश किए जाने वाले प्रीमियम स्नातक पाठ्यक्रमों में से एक है। पाठ्यक्रम का प्रयास छात्रों को जैविक विज्ञान के क्षेत्र में कुशल जनशक्ति का ज्ञान सेतु बनाने के लिए जीवन विज्ञान की शास्त्रीय कला में प्रशिक्षित करना है। एनईपी 2020 के अनुसार एक छात्र के बहुमुखी विकास को सुनिश्चित करने के लिए, पाठ्यक्रम में ऐसे पाठ्यक्रम शामिल हैं जो जैव रसायन विज्ञान में चयनित विशेषज्ञता में कौशल प्रदान करते हैं, साथ ही विषय जैव रसायन को परिभाषित करने वाली मूल अवधारणाओं के लिए पर्याप्त अनुभव सुनिश्चित करते हैं। पाठ्यक्रम के दौरान, छात्रों को न केवल उच्च योग्य संकाय सदस्यों से ठोस सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं में व्यापक व्यावहारिक कार्य के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण भी मिलता है। छात्रों को उद्योगों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं में दौरे और प्रशिक्षण, प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा वार्ता, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करके विज्ञान के क्षेत्र में चल रहे शोध कार्यों से भी अवगत कराया जाता है।

प्रतिष्ठित डीबीटी-स्टार कॉलेज योजना के तहत, विभाग ने मई 2019 से छात्रों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ-साथ शिक्षण कर्मचारियों के लाभ के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं। हमारे विभाग के छात्रों के शैक्षणिक अनुभव को और बढ़ाया गया है। अनुसंधान कार्यों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और उन्हें जैविक विज्ञान में भविष्य के करियर बनाने के लिए प्रेरित करने के लिए अवधारणाओं, छोटी परियोजनाओं, कार्यशालाओं और ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की बेहतर समझ में मदद करने के लिए अतिरिक्त और अंतःविषय प्रयोगों का रूप। विभाग की बायोकेमिकल सोसायटी छात्रों और शिक्षकों का एक संयुक्त उद्यम है। यह छात्रों को जैविक विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम निष्कर्षों, विकास और अवसरों से अवगत रखने के उद्देश्य से प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों के अलावा प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा वार्ता आयोजित करता है। इसके अलावा, विभाग एक वैज्ञानिक पत्रिका "बायोकेमी" का वार्षिक संस्करण जारी करता है, जिसमें छात्र अपने लेख प्रकाशित करते हैं और वैज्ञानिक लेखन, ग्रंथ सूची और साहित्यिक चोरी की जाँच के कौशल हासिल करते हैं। इसके अलावा, विभाग का जर्नल क्लब छात्रों को प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित रोमांचक शोध कार्यों को पढ़ने, प्रस्तुत करने और चर्चा करने में सक्षम बनाता है और इस तरह उनके वैज्ञानिक कौशल को बढ़ाता है।

हमारे विभाग से स्नातकों को नियमित रूप से एम.एससी. सहित उच्च अध्ययन के लिए चुना जाता है। और एम.एससी. पीएच.डी. भारत के साथ-साथ विदेशों के प्रतिष्ठित संस्थानों में एकीकृत कार्यक्रम। हमारे पूर्व छात्र अनुसंधान, वैज्ञानिक लेखन, शिक्षण के साथ-साथ भारत और विदेशों दोनों में उद्योग में करियर बनाते हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. जयिता ठाकुर, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. अभिजीत मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. रेनू बावेजा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. श्वेताम्बरी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. सुनीता सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. उषा यादव, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.

वनस्पति विज्ञान विभाग

शिवाजी कॉलेज में वनस्पति विज्ञान विभाग अपनी अकादमिक उत्कृष्टता, विशिष्ट संकाय (चार प्रोफेसर, एक एसोसिएट प्रोफेसर और आठ सहायक प्रोफेसर) और समृद्ध सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध है। हमारे व्यापक पाठ्यक्रम में प्लांट एनाटॉमी, भ्रूणविज्ञान, प्लांट सिस्टमैटिक्स, फाइकोलॉजी, माइकोलॉजी, सेल बायोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, जेनेटिक्स, जीनोमिक्स, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, इकोनॉमिक बॉटनी और इकोलॉजी सहित कुछ विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। हम एनईपी 2020 ढांचे के तहत और भी अधिक विकल्पों के साथ जैव सूचना विज्ञान, जैव उर्वरक, औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान, पादप ऊतक संस्कृति, बागवानी और बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे व्यावहारिक क्षेत्रों में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) और जेनेरिक ऐच्छिक (जीई) भी प्रदान करते हैं। विभाग के पास अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें अत्याधुनिक उपकरण और प्रक्षेपण सुविधाएँ हैं जो छात्रों के सीखने को बढ़ाती हैं। विभाग के पास संग्रहालय और हर्बेरियम नमूनों का एक व्यापक संग्रह भी है, जो व्यावहारिक, व्यावहारिक सीखने के अनुभव प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, हमारा वनस्पति हर्बल उद्यान और खाद बनाने वाली इकाइयाँ छात्रों को प्रकृति से जुड़ने में मदद करती हैं। प्रायोगिक शिक्षा हमारे कार्यक्रम की आधारशिला है, जिसमें क्षेत्र यात्राएं, अध्ययन यात्राएं, वनस्पति यात्राएं, औद्योगिक और संस्थागत यात्राएं और ग्रीष्मकालीन इंटरशिप शामिल हैं। बॉटनिकल सोसाइटी, फ्रैग्रेस, एक जीवंत शैक्षणिक समुदाय को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से व्याख्यान, कार्यशालाएँ, सेमिनार और प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। सूचनात्मक और ज्ञानवर्धक वार्ता के लिए प्रख्यात वैज्ञानिकों और उद्यमियों को आमंत्रित किया जाता है। एक्स्ट्रामुरल फंडिंग योजना से अनुदान द्वारा समर्थित, कुछ संकाय पीएचडी के पर्यवेक्षण में शामिल हैं। हमारा विभाग अनुसंधान और संगठनात्मक कौशल को आगे बढ़ाना जारी रखता है। विभाग ने कई विश्वविद्यालय रैंक धारक भी तैयार किए हैं और हमारे कई छात्रों ने अतीत में भारत के साथ-साथ विदेशों में भी विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा में अपना करियर बनाया है। हमारे कुछ पूर्व छात्र वर्तमान में कई सरकारी संगठनों/संस्थानों जैसे भारतीय विज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, पादप और आणविक जीव विज्ञान विभाग, साउथ कैपस, दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च पदों पर कार्यरत हैं; भारतीय वन सेवा आदि। हमारे स्नातकों ने उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और विभिन्न सरकारी और अनुसंधान संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया है, जो शिवाजी कॉलेज में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान की गई शिक्षा की उच्च क्षमता को दर्शाता है।

बी.एससी. की पढ़ाई कर रहा हूँ। वनस्पति विज्ञान में असंख्य रोमांचक और पुरस्कृत करियर अवसर खुलते हैं। स्नातक वैज्ञानिक बन सकते हैं, अभूतपूर्व अनुसंधान में संलग्न हो सकते हैं, या शिक्षक बन सकते हैं, शिक्षक या व्याख्याता के रूप में अगली पीढ़ी को प्रेरित कर सकते हैं। कई लोग सरकारी सेवाओं में आईएफएस, आईएएस या आईपीएस अधिकारियों के रूप में संतोषजनक भूमिकाएँ पाते हैं। खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले खाद्य निरीक्षकों के रूप में एफसीसीआई जैसे नियामक निकायों में भी अवसर प्रचुर हैं। पोस्टडॉक्टरल फेलो और अनुसंधान सहयोगी वैज्ञानिक ज्ञान को आगे बढ़ाने में योगदान करते हैं, जबकि उच्च तकनीक प्रयोगशालाओं में तकनीकी सहायक नवीन प्रयोगों का समर्थन करते हैं। बायोटेक कंपनियों में करियर और जीनोम विश्लेषकों की भूमिकाएँ तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में अत्याधुनिक स्थिति प्रदान करती हैं। इसके अतिरिक्त, वनस्पति विज्ञान स्नातक पर्यावरणविद् या पारिस्थितिकीविज्ञानी बन सकते हैं, जो प्राकृतिक आवासों की रक्षा और पुनर्स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं। उद्यमी कृषि और बायोटेक क्षेत्रों में नवाचार कर सकते हैं, जबकि बागवानी विशेषज्ञ पौधों की खेती और परिदृश्य डिजाइन में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करते हैं। ये विविध रास्ते वनस्पति विज्ञान स्नातकों द्वारा समाज में किए जा सकने वाली विशाल संभावनाओं और प्रभावशाली योगदान को उजागर करते हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. मिशा यादव, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. सीमा तलवार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
प्रो. अनुराधा मल, प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. अनुराग मौर्य, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
प्रो. विजय कुमार, प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. गुंजन सिरोही, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
प्रो. प्रतिमा रानी सरदार, प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. पवन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
प्रो. प्रभावती, प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	सुश्री प्रियंका ओझा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. स्मिता त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. देवेन्द्र सिंह मीना, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. किरण बामेल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	

व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग

बी०ए(ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स, एप्लाइड सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस से संबद्ध, एक कोर्स है जो बिजनेस प्रैक्टिस के लिए आर्थिक उपकरणों, सिद्धांत और कार्यप्रणाली के अनुप्रयोग के साथ-साथ डेटा का विश्लेषण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। संगठन में तर्कसंगत निर्णय लेने और सफल व्यावसायिक रणनीति तैयार करने के लिए जानकारी। 2005 में अपनी स्थापना के बाद से, यह कॉलेज में सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक बन गया है। इसका उद्देश्य प्रबंधन में विश्लेषणात्मक और मात्रात्मक आर्थिक अनुप्रयोगों सहित बदलते कॉर्पोरेट जगत की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना है और छात्रों को बाजार में सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाना है।

कक्षा शिक्षण के अलावा, पाठ्यक्रम में समग्र तरीके से प्रभावी शिक्षण और छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए सेमिनार, कार्यशालाएं और पाठ्येतर गतिविधियां शामिल हैं। इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने से छात्रों के लिए जेपी मॉर्गन, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, डेलॉइट, मर्सर, एस एंड पी कैपिटल आईक्यू, अमेरिकन एक्सप्रेस, रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड, एओएन हेविट, एगॉन जेन्डर, प्रोटिविटी जैसी प्रसिद्ध कंपनियों में आकर्षक रोजगार के अवसर सुनिश्चित होते हैं। जेनपैक्ट, टीसीएस, और भी बहुत कुछ। छात्र उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: एमबीई, एमए (अर्थशास्त्र), और एम.कॉम भी कर सकते हैं।

विभाग के सदस्य

सुश्री मनीषा जयंत, सहायक प्रोफेसर, बी.ए., एम.ए.	सुश्री उर्वशी साहित्य, सहायक प्रोफेसर, बी.कॉम (एच), एम.कॉम, पीजीडीबीएम, एम.फिल.
---	---

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान को अक्सर 'केंद्रीय विज्ञान' के रूप में जाना जाता है क्योंकि आणविक स्तर पर सामग्रियों की समझ जीवविज्ञान से ठोस राज्य भौतिकी तक अनुसंधान और विकास को रेखांकित करती है। रसायन विज्ञान विभाग के उत्कृष्ट और समर्पित संकाय और छात्र इसकी मुख्य शक्तियों में से हैं। नवीन शिक्षण पद्धतियों और उपकरणों का उपयोग करके, संकाय छात्रों के बीच विषय वस्तु की व्यापक समझ सुनिश्चित करता है। विभाग के पास आवश्यक रसायनों और उपकरणों से सुसज्जित अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं, जो हाथों-हाथ सीखने के अनुभव की सुविधा प्रदान करती हैं। विभाग का अपना पुस्तकालय भी है जिसमें पुस्तकें, वैज्ञानिक पत्रिकाएँ और पत्रिकाएँ हैं। संकायों ने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय ख्याति की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन प्रकाशित किए और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी अपना काम प्रस्तुत

किया। लैब स्टाफ मेहनती और पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। विभाग की पाठ्यक्रम संरचना को अत्यधिक रोजगारपरक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह आपको वैज्ञानिक और तकनीकी भूमिकाओं के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करता है। विभाग ने "सॉफ्टवेयर का उपयोग करके रसायन विज्ञान को समझना" पर एक ऐड-ऑन कोर्स आयोजित किया, जिसमें ऑनलाइन आणविक मॉडलिंग सॉफ्टवेयर पर व्यावहारिक सत्र शामिल थे। विभाग को अपने पूर्व छात्रों पर गर्व है, जिसमें डॉ. आदर्श स्वाइका (1992-1995 बैच), एक आईएफएस अधिकारी और वर्तमान में कुवैत में भारत के राजदूत जैसे प्रमुख गणमान्य व्यक्ति शामिल हैं। रस्तानट्रम रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल सोसायटी है।

विभाग के सदस्य

डॉ. अनिल कृष्ण अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. प्रीति कुमारी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. प्रशांत कुमार साहू, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. सुनील यादव, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. रजनी कनौजिया, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. प्रियंका कुमारी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
श्री महेंद्र कुमार मीना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी.	डॉ. योगेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. भास्कर मोहन कांडपाल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	श्री दीपेश सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. नीना खन्ना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. सीमा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम. फिल., पीएच.डी.
डॉ. नंद गोपाल गिरि, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. ऋचा अरोड़ा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
प्रो. राहुल सिंघल, प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. रंगनाथ रवि, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. वंदना कटोच, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. रीता, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
	सुश्री तमन्ना, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, जहां नवाचार परंपरा से मिलता है, और उत्कृष्टता की कोई सीमा नहीं है। हमारा विभाग समग्र विकास को बढ़ावा देने और छात्रों के बीच उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए खड़ा है। हमारी पेशकशों के केंद्र में प्रतिष्ठित बी.कॉम (ऑनर्स) और बी.कॉम (प्रोग्राम) हैं, जो छात्रों को उनके उद्यमशीलता कौशल और व्यावसायिक कौशल को निखारते हुए वाणिज्य की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है। सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभवों के मिश्रण के माध्यम से, छात्र कल के गतिशील नेता और दूरदर्शी बनने की दिशा में एक परिवर्तनकारी यात्रा पर निकलते हैं। विभाग का नेतृत्व समर्पित संकाय सदस्यों की एक टीम द्वारा किया जाता है जो अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं, शिवाजी कॉलेज में वाणिज्य विभाग परामर्श, सहयोग और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। हमारा विभाग लेखांकन, वित्त, अर्थशास्त्र, व्यवसाय प्रबंधन, मानव संसाधन और विपणन सहित वाणिज्य के विभिन्न पहलुओं को कवर करने वाला एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग छात्रों को पाठ्यक्रम से परे अनुभव प्रदान करने के लिए विभिन्न सेमिनार कार्यशालाओं का आयोजन करता है। विभाग वाणिज्य से संबंधित क्षेत्रों में छात्रों के लाभ के लिए ऐड-ऑन पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। पूर्व में जी-सूट एप्लिकेशन और डिजिटल फॉरेंसिक और साइबर इंटेलिजेंस पर ऐड-ऑन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए हैं। विभाग के उल्लेखनीय पूर्व छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए गए हैं और अग्रणी कंपनियों में आकर्षक प्लेसमेंट हासिल किए हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. सुमन खरबंदा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., अर्थशास्त्र, एम.फिल., पीएच.डी.	सुश्री मनीषा, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, पीएच.डी. पीछा करना
प्रो. रबीनारायण सामंतारा, प्रोफेसर, एम.कॉम, एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. सुनील कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, एमबीए, पीएच.डी.
श्री राजेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.कॉम	सुश्री मनीषा रानी, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, बी.एड., पीएच.डी. (पीछा करना)
डॉ. रमेश मलिक, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.कॉम, एम.फिल., पीएच.डी.	सुश्री योगिता रानी नेगी, सहायक प्रोफेसर, एमबीए, एम.कॉम, एम.फिल., पीएच.डी. (पीछा करना)
डॉ. राजिंदर सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.कॉम, पीएच.डी.	सुश्री हरमनप्रीत कौर, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, एम.फिल., पीएच.डी. (पीछा करना)
डॉ. किरण चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.कॉम, पीएच.डी.	डॉ. नीतू धायल, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, पीएच.डी.
डॉ. वनिता चट्टा, सहायक प्रोफेसर, एम. कॉम, पीएच.डी.	श्री उमेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, एमबीए, एमसीए
सुश्री मोनिका, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, एम.फिल., पीएच.डी. (पीछा करना)	सुश्री सोनिका शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, बी.एड., पीएच.डी. (पीछा करना)
डॉ. छवि शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, एमसीए, पीएच.डी.	डॉ. सौम्या सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.कॉम, पीएच.डी.

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर विज्ञान विभाग छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में लगन से काम कर रहा है। समग्र शिक्षा और छात्रों को सभी स्तरों पर महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत, विभाग यूजीसीएफ 2022 के तहत कंप्यूटर विज्ञान के साथ बहु-विषयक अध्ययन पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान में मजबूत नींव रखता है और छात्रों में समस्या-समाधान कौशल विकसित करने में एक अनुप्रयोग-उन्मुख दृष्टिकोण नियोजित करता है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को रोजगार योग्य बनाना और उद्योग की कम्प्यूटेशनल जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार करना है। इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र एम.सी.ए., एम.एससी. जैसी स्नातकोत्तर डिग्री हासिल कर सकते हैं। कंप्यूटर साइंस, एमबीए, एम.एससी. डेटा विज्ञान. विभाग एनईपी के तहत विभिन्न कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यह सामान्य वैकल्पिक विकल्प के रूप में कंप्यूटर विज्ञान प्रदान करता है। पिछले सेमेस्टर के दौरान विभाग ने "डेटा विश्लेषण और विज़ुअलाइजेशन के लिए एक्सेल और पायथन" पर एक ऐड ऑन कोर्स आयोजित किया था, जिसका उद्देश्य निर्धारित पाठ्यक्रम से परे ज्ञान प्रदान करना था ताकि हमारे छात्रों के कौशल सेट को उन्नत किया जा सके। विभाग के पास चार विशाल, अच्छी तरह से सुसज्जित वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं जिनमें लगभग 150 कंप्यूटर हैं जो नवीनतम कॉन्फिगरेशन के हैं, जो सर्वर रूम में उच्च अंत सर्वर से जुड़े हैं। सभी सिस्टम उच्च स्तरीय सॉफ्टवेयर तक पहुंच प्रदान करते हैं और वाई-फाई सक्षम हैं, जो इंटरनेट तक पहुंच प्रदान करते हैं जिसे बढ़ाया जा सकता है। सीखने की प्रक्रिया में सहायता के लिए प्रयोगशालाएँ एलसीडी प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं। छात्रों को निर्बाध कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए एक ऑनलाइन यूपीएस प्रणाली का उपयोग किया जाता है। वेबस्टर्स छात्रों की कंप्यूटर सोसायटी है, जिसे कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी की दुनिया में रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। सोसायटी छात्रों को नवीनतम तकनीकों से लैस करने के लिए नियमित रूप से सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित करती है। वार्षिक तकनीकी उत्सव 'TECHELONS' बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। इसके तत्वावधान में कई प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जो छात्रों में प्रशासनिक कौशल विकसित करते हैं।

विभाग के सदस्य

श्री राकेश यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.सी.ए	डॉ. कृष्ण कांत सिंह गौतम, सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., एम.टेक., पीएच.डी.
सुश्री प्रीति शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.सी.ए	श्री पवन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए
सुश्री आभा वासल, सहायक प्रोफेसर, एम.सी.ए., एम.फिल.	सुश्री योगेश कुमारी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग कॉलेज की स्थापना के बाद से सबसे महत्वपूर्ण और सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र की पेशकश कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, विभाग अपने सर्वोच्च प्रतिबद्ध संकाय और अत्यंत सक्रिय छात्रों के प्रयासों के कारण विकसित हुआ है। विभाग अपने छात्रों को बहुमुखी प्रतिभा और अवधारणाओं के अनुप्रयोग को सामने लाने के लिए डिजाइन की गई पाठ्यक्रम गतिविधियों द्वारा समर्थित व्यावहारिक परिदृश्यों में सिद्धांत लागू करने की अनुमति देता है। हाल के दिनों में, विभाग ने 'वित्तीय दुनिया को समझना: एक शुरुआती मॉड्यूल' पर ऐड-ऑन पाठ्यक्रम की पेशकश की। हमारे छात्रों ने सिविल सेवाओं, सशस्त्र बलों और यहां तक कि दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य कॉलेजों में संकाय के रूप में शामिल होकर सार्वजनिक सेवा की है। हमारे छात्रों ने आईआईएम और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे कुछ सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च अध्ययन का विकल्प भी चुना है। छात्रों के एक अच्छे अनुपात को जेपी मॉर्गन, अमेरिकन एक्सप्रेस, टीसीएस और कई अन्य जैसी उच्च प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर मिलते हैं। छात्रों को अपने प्रतिस्पर्धी और इंटरैक्टिव कौशल को प्रदर्शित करने और बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए, विभाग ने एपिटोम नाम से एक छात्र निकाय का गठन किया है। यह सोसायटी पूरे वर्ष विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने में सक्रिय रूप से लगी रहती है। विभाग के संकाय सदस्य स्वयं को चल रहे परिवर्तनों और विकास से अवगत रखने के लिए विभिन्न सेमिनारों, कार्यशालाओं और संकाय विकास कार्यक्रमों में भाग लेते हैं।

विभाग के सदस्य

सुश्री अंशू चोपड़ा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल.	सुश्री भूमिका भवनानी, सहायक प्रोफेसर (चयन ग्रेड), एम.ए., एम.फिल.
सुश्री इति डंडोना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल.	सुश्री मनीषा जयंत, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.
श्री सुमीत सिंह रहेजा, सहायक प्रोफेसर (चयन ग्रेड), एम.ए., एम.एससी. (अर्थशास्त्र एवं अर्थमिति), एम.फिल.	श्री राहुल कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.
डॉ. शिवानी गुप्ता, सहायक प्रोफेसर (वरिष्ठ स्केल), एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	सुश्री निकिता गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.
	सुश्री कविता यादव, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.
	सुश्री निधि सहरावत, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी विभाग की पहुंच व्यापक है और यह विभिन्न अंतःविषय क्षेत्रों में पेपर उपलब्ध कराता है। संकाय द्वारा नियोजित शैक्षणिक पद्धति का उद्देश्य पाठ्यपुस्तक शिक्षण के प्रतिबंधित मॉडल की सीमाओं से सीखने और ज्ञान को मुक्त करना है। हम शिक्षा के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने का प्रयास करते हैं और लक्ष्य रखते हैं कि छात्र विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर एक सूचित और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने के लिए अध्ययन करें। कक्षा में चर्चा के माध्यम से, छात्र इतिहास और समाज के प्रश्नों को विभिन्न वैचारिक दृष्टिकोण से देखना सीखते हैं। शिवाजी कॉलेज में बीए अंग्रेजी (ऑनर्स) के छात्र कॉलेज के सबसे गतिशील छात्रों में से कुछ हैं। वे अंग्रेजी विभाग की साहित्यिक सोसायटी, पैन्डेमोनियम के तत्वावधान में कई साहित्यिक और पाठ्येतर गतिविधियों के आयोजन में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। सम्मेलन, वेबिनार, साहित्यिक प्रश्नोत्तरी, कविता पाठ, रचनात्मक लेखन और साहित्यिक ग्रंथों के सिनेमाई रूपांतरण की स्क्रीनिंग प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में प्रमुख आकर्षण हैं। एनईपी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, विभाग विभिन्न विषयों के छात्रों के लिए विविध प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कोर छात्र वैश्विक साहित्य का व्यापक रूप से पता लगाने, विहित कार्यों की गहन समझ हासिल करने के अवसर का आनंद लेते हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. अंजलि रमन, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	सुश्री प्रीति देसोदिया, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल.
डॉ. सोनाली गर्ग, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम. फिल, पीएच.डी.	डॉ. दिव्या मदान, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी.
डॉ. सियामलियानवुंग हांगजो, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम. फिल., पीएच.डी.	डॉ. गुंजन कुमारी, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल
डॉ. गीतारानी लीसांगथेम, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम. फिल., पीएच.डी.	डॉ. देबोस्मिता पॉल, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. रितु मदान, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम. फिल, पीएच.डी.	सुश्री हिमांशी सैनी, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी. (पर्सुइंग)
डॉ. प्रियंका चक्रवर्ती, सहायक प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम. फिल, पीएच.डी.	सुश्री अंशुला उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी. (पर्सुइंग)
डॉ. मनीष कुमार मीना, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पर्यावरण अध्ययन विभाग शिवाजी कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) का सबसे नया विभाग है और इसे 2017 के दौरान स्थापित किया गया था। विभाग की स्थापना दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सभी कॉलेजों को पर्यावरण अध्ययन पर अनिवार्य पाठ्यक्रम शुरू करने के निर्देश के जवाब में की गई थी। . शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के घटक कॉलेजों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की शुरुआत के परिणामस्वरूप, पर्यावरण विज्ञान अब 4 क्रेडिट एबिलिटी एनहांसमेंट कोर्स (ईईसी) है जो दो सेमेस्टर में चलता है। पर्यावरण अध्ययन विभाग कॉलेज के सभी विभागों में नामांकित सभी छात्रों को पर्यावरण विज्ञान पर ईईसी पाठ्यक्रम का समन्वय और पढ़ाता है। विभाग शिक्षण के लिए कक्षा-कक्ष, क्षेत्र और परियोजना-आधारित दृष्टिकोण अपनाता है और यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों में विषय की समग्र समझ विकसित हो। विभाग में ऐसे संकाय सदस्य शामिल हैं जो विशेषज्ञता के अपने संबंधित क्षेत्रों में अत्यधिक योग्य हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. अश्वनी शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.,	डॉ. योगेन्द्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.,
---	---

भूगोल विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय का हिस्सा, शिवाजी कॉलेज, भूगोल में स्नातक सम्मान और कार्यक्रम पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले कुछ संस्थानों में से एक है। विभाग कॉलेज के अन्य विभागों के छात्रों को वीएसी और जीई पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। 38 साल पहले स्थापित, भूगोल विभाग ने 1988 में अपना ऑनर्स पाठ्यक्रम शुरू किया था। इसमें एक अत्याधुनिक कार्टोग्राफी प्रयोगशाला और व्यापक सिद्धांत और व्यावहारिक कक्षाओं के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा है। मुख्य पुस्तकालय में व्यापक भूगोल संग्रह के अलावा, विभाग छात्र संसाधनों के लिए अपना स्वयं का पुस्तकालय रखता है। कक्षा में सीखने को परियोजना कार्य, क्षेत्र यात्राओं और सेमिनारों के माध्यम से बढ़ाया जाता है, जिससे एक सर्वांगीण शैक्षिक अनुभव मिलता है। विभाग के संकाय शिक्षण और अनुसंधान दोनों में गहराई से शामिल हैं। 2023-24 के लिए, विभाग ने डॉ. ललिता राणा और डॉ. प्रीति तिवारी की देखरेख में शिवाजी कॉलेज के रिसर्च एंड इनोवेशन सेल द्वारा वित्त पोषित दो छोटी शोध परियोजनाएं पूरी कीं। वर्तमान में, छह पीएच.डी. प्रोफेसर तेजबीर सिंह राणा और डॉ. प्रदुम्न कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में विद्वान शोध कर रहे हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. ललिता राणा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
प्रो. तेजबीर सिंह राणा, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., नेट-जेआरएफ, एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. प्रीति तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. भरत रतू, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी.
डॉ. राजेंद्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.ए. पीएच.डी.	डॉ. उषा रानी, सहायक प्रोफेसर, एमए, पीएच.डी
	डॉ. मुकेश कुमार मीना, सहायक प्रोफेसर, एमए, पीएच.डी

हिन्दी विभाग

हिन्दी विभाग शिवाजी कॉलेज का एक बहुप्रतिष्ठित विभाग है। जिसमें स्नातक(बी.ए.) और स्नातकोत्तर (एम.ए.) स्तर पर अध्यापन कार्य होता है। स्नातक स्तर पर विभाग विश्वविद्यालयी योजना से अनुमोदित-हिन्दी कविता(आदिकाल एवं निर्गुणभक्ति काव्य), हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल), हिन्दी कहानी, हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य, हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास आदि प्रश्नपत्र प्रस्तावित करता है। विभाग की एक साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था - 'साहित्य संगम' है, जो वर्ष भर छात्रों को विविध साहित्यिक गतिविधियों के आयोजन, प्रतिभागिता और साहित्य के विविध आयामों के प्रति प्रोत्साहित करती है। विभाग के कई प्राध्यापक शोध गतिविधियों, शोध प्रोजेक्ट से जुड़े रहे हैं। वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के कई शोधार्थियों का निर्देशन कर रहे हैं। विभाग आगामी अकादमिक सत्र में अनुवाद विषय पर एक ऐड ऑन पाठ्यक्रम आरंभ करने की योजना बना रहा है।

हिन्दी विभाग की विपुलता का मानदंड है कि वर्तमान प्राचार्य प्रोफेसर वीरेंद्र भारद्वाज जी विभाग के पूर्व छात्र रहे फिर यहाँ अध्यापक नियुक्त हुए और वर्तमान में कुशल प्रशासक की भूमिका निभाते हुए प्राचार्य पद पर सुशोभित हैं और निरंतर सांस्थानिक सफलता के नए प्रतिमान रच रहे हैं।

इस विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विविध महाविद्यालयों को कुशल प्राध्यापक, मनोरंजन जगत को मंजे हुए कलाकार, देश को श्रेष्ठ जिम्मेदार नागरिक दिये हैं। टेलीविजन पर धूम मचाते मनोरंजन जगत के मामाजी श्री परितोष त्रिपाठी भी इसी विभाग का हिस्सा रहे। पिछले अकादमिक वर्ष में पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय में हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर स्वर्णपदक विजेता बने श्री देवेंद्र सिंह इसी विभाग के विद्यार्थी रहे। विभाग के कई प्राध्यापक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में भारत सरकार की ओर से प्रतिष्ठित सांस्कृतिक राजदूत की भूमिका निभा चुके हैं। वैश्विक अनुभवों से युक्त शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का हिन्दी विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है।

विभाग के सदस्य

प्रो. वीरेंद्र भारद्वाज, प्राचार्य, एम.ए., एम.फिल., पीएच. डी.	डॉ. कंचन, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी.
प्रो. रुचिरा ढींगरा, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच. डी.	डॉ. तरुण, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी.
डॉ. विकास शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच. डी.	डॉ. बबली, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी.
डॉ. ज्योति शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच. डी.	डॉ. अरविंदर कौर, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी.
प्रो. दर्शन पाण्डेय, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच. डी.	डॉ. संदीप कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., पीएच. डी.
डॉ. राजकुमारी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच. डी.	सुश्री प्रियंका शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.ए., बी.एड., एम.फिल
	श्री महेश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल.

इतिहास विभाग

एक प्रतिबद्ध और सक्षम संकाय से समृद्ध, इतिहास विभाग छात्रों को विभिन्न तरीकों से अनुशासन से जोड़ता है। युवा दिमागों को न केवल कक्षाओं में बल्कि बाहर भी शिक्षकों के साथ निरंतर बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हम शिक्षार्थियों को उनके विश्लेषणात्मक और व्याख्यात्मक कौशल को सुधारने और समय और स्थान के साथ ऐतिहासिक प्रक्रियाओं को समझने में सुविधा प्रदान करने का प्रयास करते हैं। छात्रों को अतीत और वर्तमान के बीच बातचीत की प्रकृति पर विचार करने में सहायता करने के लिए सेमिनार, हेस्टिज वॉक, संग्रहालयों और ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया जाता है। मोटे तौर पर, अनुशासन के सिद्धांत समाज के लाभ और अनुशासन के संवर्धन के लिए मानवीय क्षमता को साकार करने में शिक्षकों और सिखाए गए लोगों की उत्साही भागीदारी के इर्द-गिर्द घूमते हैं। इसके अतिरिक्त, छात्र और संकाय नए विषयों और इतिहास को समझने और करने के नए तरीकों पर शोध में संलग्न हैं।

विभाग के सदस्य

प्रो. खुशीद खान, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	श्री स्कंद प्रिया, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.
प्रो. अमरजीवा लोचन, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. रुद्र प्रताप यादव, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
श्री मुकेश कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल.	डॉ. प्रीति, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. निष्ठा श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	श्री टी. चंद्र शेखर रेड्डी, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.

गणित विभाग

शिवाजी कॉलेज के गणित विभाग में गणित के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले उच्च योग्य, समर्पित संकाय शामिल हैं। हर साल सेमिनारों, कार्यशालाओं, परियोजनाओं आदि के माध्यम से छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार की शैक्षिक प्रसार गतिविधियाँ की जाती हैं। संकाय सदस्य लगातार अनुसंधान गतिविधियों में लगे रहते हैं और विषय में नवीनतम पर खुद को अपडेट करते रहते हैं। विभाग के पास पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गणित, मैटलैब, लेटेक्स, सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर आर इत्यादि जैसे अत्यधिक उन्नत सॉफ्टवेयर वाले लगभग 50 कंप्यूटरों के साथ एक अच्छी तरह से सुसज्जित, वातानुकूलित गणित प्रयोगशाला है। गणित कार्यक्रम का उद्देश्य आलोचनात्मक और तार्किक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करना है और छात्र को रोजमर्रा की जिंदगी में गणितीय तर्क का उपयोग करने के लिए तैयार करना है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को पर्याप्त सैद्धांतिक/व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है जो उन्हें गणित और संबंधित विषयों में आगे की पढ़ाई करने में सक्षम बनाता है और उन्हें गणित शिक्षा और अनुसंधान, कंप्यूटर विज्ञान, आईटी, बैंकिंग और बीमा, सांख्यिकीय सेवाओं, व्यवसाय/में करियर के लिए भी तैयार करता है। प्रबंधन, उद्यमिता आदि। पाठ्यक्रम कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, सार बीजगणित, विभेदक समीकरण और गणितीय मॉडलिंग, संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत, क्रियोग्राफी, गणितीय वित्त, वैदिक गणित, आईटी कौशल और डेटा विश्लेषण जैसे शुद्ध और व्यावहारिक गणित के विषयों में एक मजबूत नींव रखता है। , गणितीय पायथन, रैखिक प्रोग्रामिंग आदि। उदाहरण के लिए विभाग में कई प्रसिद्ध पूर्व छात्र हैं: प्रोफेसर के.एन. सिंह, डिवीजन प्रमुख, आईसीएआर, पूसा और सुश्री पारुल, फ्लाईंग ऑफिसर, भारतीय वायु सेना। इस वर्ष, विभाग सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए "कॉन्सेप्ट्स ऑफ लॉजिकल रीजनिंग" में एक ऐड-ऑन कोर्स शुरू कर रहा है जो उनके लिए बेहद फायदेमंद होगा।

विभाग के सदस्य

प्रो. शिव कुमार सहदेव, प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	श्री मनीष कुमार मीना, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. बबीता गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. नीतू रानी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. अपर्णा जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. उत्तम क्र. सिन्हा, सहायक, प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
प्रो. मृदुला बुधराजा, प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. जीतेन्द्र अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
प्रो. सुरभि मदान, प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. दीप्ति, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
श्री अशेष क्र. झरवाल, सहायक प्रोफेसर, एम.ए.	श्री अंकुश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
प्रो. कुमारी प्रियंका, प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	श्री नितेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. शिल्पी वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. रश्मी अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
श्री जीतेन्द्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.टेक	डॉ. चंद्र प्रकाश, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. वंदना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	सुश्री सुनीता, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल.
	डॉ. सूबेदार राम, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.

शारीरिक शिक्षा विभाग

विभाग का लक्ष्य छात्रों को मानव गतिविधि, शारीरिक गतिविधि और स्वस्थ जीवन शैली जीने के महत्व की व्यापक समझ से लैस करना है। सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के संयोजन के माध्यम से, छात्र खेल, फिटनेस प्रशिक्षण और मनोरंजक गतिविधियों जैसी कई शारीरिक गतिविधियों में दक्षता विकसित करते हैं। इसके अलावा, वे समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में शारीरिक शिक्षा के महत्व की सराहना करते हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों से प्रभावी संचार

और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करने के साथ-साथ शारीरिक गतिविधि और खेल से संबंधित सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं को समझने की अपेक्षा की जाती है। कुल मिलाकर, शारीरिक शिक्षा विभाग के सीखने के परिणामों को छात्रों को शारीरिक साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाने, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर स्क्रीन समय को कम करने और खेल भागीदारी के माध्यम से शारीरिक गतिविधि में आजीवन जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। शिवाजी कॉलेज में विशाल खेल मैदान है जिसमें वॉलीबॉल कोर्ट (18 मीटर x 9 मीटर), लगभग फुटबॉल मैदान है। 100 मीटर x 50 मीटर, लगभग 60 मीटर त्रिज्या का क्रिकेट मैदान, 04 क्रिकेट अभ्यास जाल (3 र्फ और 01 सीमेटेड), एक सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट (28 मीटर x 15 मीटर), 23.8 मीटर x 11 मीटर के 02 टेनिस कोर्ट, शतरंज के लिए एक इनडोर स्थान और एक पलड लाइट। अन्य सुविधाएं जैसे लॉकर/चेंजिंग रूम, स्टोर रूम, ग्राउंड-मेन रूम और वॉशरूम भी उपलब्ध हैं।

विभाग के सदस्य

श्री गौरव गोयल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एड. व्यायाम शिक्षा

डॉ. अमिता हांडा, सहायक प्रोफेसर, मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन, पीएच.डी.

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग प्रेरक शिक्षकों, रचनात्मक छात्रों और समान रूप से निपुण पूर्व छात्रों का दावा करता है। साथ ही, विभाग के पास नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ भी हैं। सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए क्लास रूम के साथ-साथ प्रयोगशालाएँ प्रोजेक्टर सुविधाओं से सुसज्जित हैं। विभाग के संकाय सदस्य किसी न किसी रूप में अनुसंधान गतिविधियों में शामिल रहते हैं। विभाग के छात्र अनुसंधान परियोजना में भी शामिल रहे हैं और उन्होंने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित किया है। हमारे उत्कृष्ट और दृढ़ता से समर्पित संकाय हमेशा छात्रों को वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के साथ विषय को गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बीएससी का पाठ्यक्रम (ऑनर्स) भौतिकी छात्रों को मौलिक भौतिकी के वैचारिक ज्ञान में गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। पाठ्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि मजबूत सैद्धांतिक आधार प्रदान करने के अलावा, नामांकित छात्रों को पूरी तरह सुसज्जित प्रयोगशालाएँ प्रदान की जाती हैं ताकि वे जटिल भौतिकी प्रयोगों को आसानी से करने के लिए ज्ञान और विशेषज्ञता प्राप्त कर सकें। मुख्य उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है, अच्छी तरह से तैयार स्नातक छात्रों को तैयार करना है जो विद्वतापूर्ण गतिविधियों के माध्यम से भौतिकी और इसके संबंधित विषयों में ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने में दृढ़ता से लगे रहेंगे। डिपार्टमेंट सोसाइटी INVENIO छात्रों को उच्च प्रतिष्ठा के अनुसंधान संस्थानों में कार्यशालाओं, वार्षिक उत्सव और शैक्षिक यात्राओं का आयोजन करके पाठ्यचर्या से परे जाने और नए क्षितिज तलाशने के लिए एक मंच प्रदान करती है। सोसायटी विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात भौतिकविदों द्वारा बातचीत भी आयोजित करती है जो युवा दिमागों को प्रेरित और प्रेरित करती है। विभाग राष्ट्रीय स्नातक भौतिकी परीक्षा (एनजीपीई) भी आयोजित करता है, जो हर साल इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (आईएपीटी) द्वारा अत्यधिक मेधावी भौतिकी छात्रों के लिए एक अनूठी परीक्षा आयोजित की जाती है।

विभाग के सदस्य

प्रो. अरुण वीर सिंह, प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	श्री निहाल कुमार बैरवा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. भारती, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	श्री अनिल अवासिया, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. ममता, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. सुरेंद्र कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. शिव शंकर गौड़, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. नीरू शर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
डॉ. रवीन्द्र सिंह, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी.	सुश्री नीतू वर्मा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. नीति गोयल, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	श्री पारथ कुमार कसाना, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी.
डॉ. निधि त्यागी, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.	डॉ. शोभा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.
	डॉ. एल. थानसांगा, सहायक प्रोफेसर, एम.एससी., पीएच.डी.

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति सभी विज्ञानों में सबसे लोकतांत्रिक है क्योंकि राजनीतिक वास्तविकता और अच्छे जीवन से संबंधित निर्णय सभी की जिम्मेदारी है। इस पृष्ठभूमि में, राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले स्नातकोत्तर अवसरों के साथ-साथ स्नातक स्तर पर ऑनर्स और बी.ए कार्यक्रम पाठ्यक्रम हमारे समकालीन समय में सभी समस्याओं की समझ के साथ-साथ संभावित समाधान की कुंजी प्रदान करने के मद्देनजर असीम रूप से फायदेमंद हैं। राजनीतिक विज्ञान में राजनीतिक सिद्धांत, विचार, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और लोक प्रशासन जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के अलावा संवैधानिक मूल्यों और मौलिक कर्तव्यों, राजनीतिक नेतृत्व और संचार, वार्ता और नेतृत्व जैसे

कागजात पेश करके कुछ रोमांचक परिवर्धन किए जाते हैं, जो उच्च शिक्षा को अधिक समग्र, बहु-विषयक और लचीला बनाते हैं जबकि सिविल सेवाओं जैसे कई क्षेत्रों जैसे कानून, पत्रकारिता-प्रिंट के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, उद्योगिता, शिक्षण और अनुसंधान में सफल कैरियर के लिए व्यापक अवसर खोलते हैं। भारतीय राजनीतिक विचार में विचार और संस्थान भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित एक और ऐसा अभिनव क्षेत्र है जो यूरो-केंद्रित शब्दों के आधिपत्य पूर्वाग्रह को चुनौती देना चाहता है, जिसने प्राचीन भारतीय विचार को सीमित के रूप में खारिज कर दिया था, जबकि भारतीय राजनीतिक विचारों के लिए सीखने की खोज को फिर से प्रज्वलित करने का लक्ष्य रखा था, जिसमें प्रमुख स्नातक विशेषताओं को विकसित करना, विशेष रूप से कक्षा और पाठ्यक्रम से परे छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देना मुख्य था। विभाग को अपने उल्लेखनीय पूर्व छात्रों श्री सुरेंद्र कुमार झा, आईपीएस (झारखंड में पुलिस अधीक्षक) और श्री पीतांबर दत्त, न्यायाधीश (परिवार न्यायालय), दिल्ली पर बहुत गर्व है। संकाय सदस्य लगातार अनुसंधान और परियोजनाओं के उपक्रम में लगे हुए हैं (उनमें से कुछ ने एनबीसीएफडीसी और आईसीएसएसआर सहित कुछ परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है)।

संकाय सदस्य

डॉ. बिष्णु सतपथी, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	श्री मोहन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एमए, एम.फिल.पीएच.डी.
डॉ. अलका मुद्रल, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	श्री राहुल मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, एमए, एम.फिल.
डॉ. हिमंत सिंह देवड़ा, सहायक प्रोफेसर, एमए, एम.फिल, पीएच.डी., पोस्ट-डॉक्टरेट	श्री कुशिक कुमार, सहायक प्रोफेसर, एमए, पीएच.डी.
डॉ. रवि, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	श्री धारा सिंह कुशवाहा, सहायक प्रोफेसर, एमए, एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. अमित कुमार, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	श्री तयंजम प्रियोकुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर, एमए, पीएच.डी.

संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग शिवाजी महाविद्यालय के सबसे प्राचीन विभागों में से एक है। विभागीय सदस्यों की विशेषज्ञता वेद, व्याकरण, दर्शन, साहित्य, संस्कृति, धर्म एवं भारतीय पुरालेखशास्त्र में है। यह युवा शिक्षकों से युक्त एक ऊर्जावान विभाग है। यह अपने छात्रों को नए अनुभव और ज्ञान की नई धाराएं प्रदान करता है। सभी प्राध्यापक शैक्षणिक गतिविधियों में अनवरत संलग्न रहते हैं ताकि विभाग को उच्च शिखर तक पहुंचाया जा सके। विभाग के प्राध्यापक ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में विशेषज्ञता रखते हैं, जैसे वैदिक साहित्य में डॉ. रजनीश, भारतीय दर्शन में डॉ. मेघराज मीणा, व्याकरण में डॉ. सुखराम व श्री नागेन्द्र, संस्कृत साहित्य में डॉ. रीना कुमारी। विभाग में स्नातकोत्तर स्तर तक अध्यापन कार्य होता है एतदर्थ विश्वविद्यालय के साथ सक्रिय रूप से सम्बद्धता है। संस्कृत एक शास्त्रीय भाषा है इसलिए यह स्वाभाविक रूप से रूचि रखने वाले विद्यार्थियों को आकर्षित करती है। विभाग के छात्र समय-समय पर सक्रियता के साथ विभिन्न अन्तर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता ग्रहण करते हैं। विभागीय छात्रों ने संस्कृत वाद-विवाद, कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी इत्यादि प्रतियोगिताओं में अनेक पुरस्कार प्राप्त किए हैं। संस्कृत विभाग १९८७ से अन्तर-महाविद्यालयी संस्कृत-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करने वाला प्रथम महाविद्यालय होने पर गर्व करता है। यह एक बड़ी सफलता थी और इसमें अनेक महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया था। परिणामस्वरूप कालान्तर में इस तरह की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं अन्य संस्थानों द्वारा भी शुरू की जाने लगी।

विभाग के सदस्य

डॉ. रजनीश, सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी.	डॉ. सुख राम, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., पीएच.डी.
डॉ. मेघराज मीणा, सहायक प्रोफेसर, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	डॉ. रीना कुमारी, सहायक आचार्य, एम.ए., पीएच.डी.
	श्री नागेन्द्र कुमार, सहायक आचार्य, एम.ए.

समाजशास्त्र विभाग

समाजशास्त्र का अनुशासन व्यक्तियों, समूहों और संस्थानों के अध्ययन के लिए समर्पित है। सामाजिक परिवर्तन और निरंतरता इसका मुख्य फोकस है : ऐतिहासिक रूप से, आधुनिक औद्योगिक संबंधों के कारण जटिल परस्पर विरोधी सामाजिक वास्तविकताओं को समझने के लिए विभिन्न समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण उभरे। समाजशास्त्र के अनुशासन ने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक भिन्नता, सूचना प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को अवशोषित किया है। समाजशास्त्र विभाग शिवाजी कॉलेज, बी प्रोग माइनर: एन इनविटेशन टू सोशियोलॉजी, सोशियोलॉजी ऑफ इंडिया, क्लासिकल सोशियोलॉजिकल थिंक्स, पोस्ट क्लासिकल थिंक्स में निम्नलिखित पेपर स्नातक छात्रों को प्रदान करता है।

संकाय सदस्य

डॉ. विक्रान्त कुमार, एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

प्राणिविज्ञान विभाग

शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में जूलॉजी विभाग की स्थापना 1961 में हुई थी। प्रारंभ में, विभाग ने अन्य सहायक विषयों के साथ प्री-मेडिकल पाठ्यक्रमों की पेशकश की। 1973 में, दूरदर्शी और सम्मानित संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में, विभाग एक पूर्ण स्वतंत्र इकाई के रूप में उभरा, जो जूलॉजी और संबंधित विषयों में व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग ऑनर्स पाठ्यक्रम, जीवन विज्ञान (कार्यक्रम पाठ्यक्रम) और सहायक पत्रों को पूरा करता है। विभाग हमेशा छात्रों के बीच वैज्ञानिक अनुसंधान और बौद्धिक जिज्ञासा को बढ़ावा देने के लिए एक धुरी रहा है। संकाय विविध कौशल विकसित करने और छात्रों के बीच नियमितता, समय की पाबंदी, भागीदारी और टीम भावना जैसे मूल्यों को स्थापित करने के लिए समर्पित है। जूलॉजी विभाग एक मजबूत पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो गैर-कॉर्डेट्स, कॉर्डेट्स, तुलनात्मक एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, विकासवादी जीवविज्ञान, विकासात्मक जीवविज्ञान, परजीवी विज्ञान, वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन और पारिस्थितिकी जैसे आधुनिक लागू विषयों जैसे जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, इम्यूनोलॉजी, जेनेटिक्स और सेल और आणविक जीवविज्ञान जैसे शास्त्रीय जूलॉजी पत्रों को एकीकृत करता है। छात्रों को व्यावहारिक कौशल और व्यापक समझ से लैस करने के लिए, विभाग जीनोमिक डीएनए के अलगाव और प्लास्मिड डीएनए के लक्षण वर्णन सहित विशेष पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग की एक उल्लेखनीय संपत्ति इसका जूलॉजिकल म्यूजियम है, जिसमें ऑस्टियोलॉजिकल अध्ययन के लिए जानवरों के नमूनों, कंकालों और खोपड़ी का एक दुर्लभ संग्रह है। विभाग को जेल डॉक्यूमेंटेशन यूनिट, हाई-स्पीड कूलिंग सेंट्रीफ्यूज, यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, लैमिनार फ्लो, बीओडी इनक्यूबेटर, माइक्रोटोम, डीप फ्रीजर, ऑर्बिटल शेकर, वाटर डिस्टिलेशन प्लांट और मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर जैसे उन्नत उपकरणों से लैस अपनी अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं पर भी गर्व है। वर्षों से, जूलॉजी विभाग ने आउटरीच और विस्तार कार्यक्रमों सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में खुद को स्थापित किया है, जहां छात्र प्राणी उद्यान, राष्ट्रीय उद्यानों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं का दौरा करते हैं। कॉलेज आईक्यूएसी और डीबीटी स्टार कॉलेज योजना के तत्वावधान में, विभाग नियमित रूप से छात्रों, संकायों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए आमंत्रित वार्ता, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सत्र आयोजित करता है। जूलॉजिकल सोसाइटी, "ऑयस्टर", सालाना अपने कार्निवल और विभिन्न प्राणी महत्व के दिनों का उत्सव मनाती है, जिसमें क्विज, मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों, नारा लेखन आदि जैसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी की जाती है। विभिन्न अंतर-भित्ति अनुसंधान परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने के अलावा, विभाग एक चालू परियोजना के लिए प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) से एक शोध अनुदान भी प्राप्त करता है। छात्र नियमित रूप से वैज्ञानिक पोस्टर पेश करने और अपने शोध कौशल को सुधारने के लिए शोध पत्र लिखने में शामिल होते हैं। विभाग ने स्नातक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में पदों को हासिल किया है।

संकाय सदस्य

प्रो. सुनीता गुप्ता, प्रोफेसर एम.एस सी, पीएच.डी.	डॉ. साम्या दास, सहायक प्रोफेसर, एम.एस सी, पीएच.डी.
डॉ. दीपिका यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एस सी, पीएच.डी.	डॉ. राकेश रोशन, सहायक प्रोफेसर, एम.एस सी., पीएच.डी.
सुश्री निमिता कान्त, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एस सी	डॉ. अंकिता दुआ, सहायक प्रोफेसर, एम.एस सी., पीएच.डी.
श्री मनीष कुमार सचदेवा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम.एस सी	डॉ. निधि गर्ग, सहायक प्रोफेसर, एम.एस सी., पीएच.डी.
डॉ. जितेंद्र कुमार चौधरी, सहायक प्रोफेसर एम.एस सी, पीएच.डी.	डॉ. मानस धल, सहायक प्रोफेसर, एम.एस सी, पीएच.डी.
डॉ. ऐशना निगम, सहायक प्रोफेसर, एम.एस सी., पीएच.डी.	डॉ. त्सेवांग नामगियाल, सहायक प्रोफेसर, एम.एस सी., पीएच.डी.

प्रभारी शिक्षक: 2024-25

क्रम संख्या	विभाग का नाम	प्रभारी शिक्षक
1.	बायोकेमिस्ट्री	डॉ. अभिजीत मिश्रा
2.	वनस्पति विज्ञान	- प्रो. वी.प्रभावती
3.	रसायन विज्ञान	डॉ. नंद गोपाल गिरि
4.	वाणिज्य	डॉ. रमेश कुमार
5.	कंप्यूटर साइंस	सुश्री प्रीति शर्मा
6.	अर्थशास्त्र	सुश्री भूमिका भवनानी
7.	अंग्रेजी	डॉ. सोनाली गर्ग
8.	भूगोल	डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्र
9.	हिंदी	डॉ. ज्योति शर्मा
10.	इतिहास	श्री मुकेश कुमार सिंह
11.	गणित	डॉ. अपर्णा जैन
12.	शारीरिक शिक्षा	डॉ. अमिता हांडा
13.	भौतिकी	डॉ. भारती
14.	राजनीति विज्ञान	डॉ. बिष्णु चरण सतपथी
15.	संस्कृत	डॉ. सुखराम
16.	जूलॉजी	डॉ. दीपिका यादव
17.	बिजनेस इकोनॉमिक्स	सुश्री मनीषा जयंत
18.	पर्यावरण अध्ययन	डॉ. अश्विनी शर्मा
19.	बी ए प्रोग्राम कोर्स	सुश्री सियामलियानवुंग हांगजो
20.	बी.एस सी प्रोग्राम (लाइफ साइंसेज) कोर्स	सुश्री नमिता कांत
21.	बी .एस सी. भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान के साथ) पाठ्यक्रम	डॉ. ममता
22.	बी. कॉम प्रोग्राम	डॉ. राजिंदर सिंह
23.	समाजशास्त्र	डॉ. विक्रान्त कुमार

प्रशासन

प्राचार्य- प्रो वीरेंद्र भारद्वाज

ए.ओ. (प्रशासन) - श्री हेमंत लांबा

बर्सर- डॉ. किरण चौधरी

ए.ओ. (लेखा)- श्री प्रवीण कुमार

लाइब्रेरियन- श्री भूपेंद्र सिंह

नोडल अधिकारी- प्रो शिव कुमार सहदेव

डीलिंग सहायक

सभी बीए (विशेष) पाठ्यक्रम और एमए (बीए (विशेष) अंग्रेजी को छोड़कर)- श्री राजीव कपूर

जूनियर सहायक गणित को छोड़कर सभी विज्ञान पाठ्यक्रम- सुश्री नेहा भटनागर, जूनियर सहायक

वाणिज्य और गणित- श्री राजेश कुमार, सहायक बी.ए. प्रोग्राम, बी.ए. (विशेष)

अंग्रेजी., बी.ए. (विशेष) संस्कृत, श्री संतोष मिश्रा, जूनियर सहायक

छात्रवृत्ति और छात्र सहायता

छात्रवृत्ति का नाम	पात्रता मापदंड (Eligibility Criteria)
डॉ. उषा अग्रवाल ट्रस्ट स्कॉलरशिप	B. Com (P) II और III तृतीय वर्ष के छात्र जो B. Com (P) Ist और IIInd वर्ष के परिणाम में 70% से अधिक अंक प्राप्त करते हैं,
सुल्तान चंद द्रोपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन (डॉ. सुश्री उषा अग्रवाल)	बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष का छात्र जो बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में कॉलेज में 70% से ऊपर होने के कारण दूसरा उच्चतम प्रतिशत अंक प्राप्त करता है।
सुल्तान चंद द्रोपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन (डॉ. सुश्री उषा अग्रवाल)	नए संशोधित पाठ्यक्रम के तहत बी.कॉम (ऑनर्स) छात्र के लिए 3500/- सेमेस्टर द्वितीय की एक छात्रवृत्ति।
श्री सुल्तान चंद द्रोपदी देवी स्मारक छात्रवृत्ति योजना	एक छात्र के लिए जिसने कॉलेज में बी.कॉम (ऑनर्स), सेमेस्टर I (परीक्षा) में सभी पेपरों में पहला% अंक प्राप्त किया है। रु. 2500/- की छात्रवृत्ति)
सुल्तान चंद द्रोपदी देवी एजुकेशन फाउंडेशन (डॉ. सुश्री उषा अग्रवाल)	नए संशोधित पाठ्यक्रम के तहत बी.कॉम (ऑनर्स) के सेमेस्टर चतुर्थ के छात्र के लिए 3600 /
श्रीमती स्वर्ण कांत नैय्यर पत्नी स्वर्गीय डॉ. एस. के. नैय्यर	जूलॉजी विभाग के छात्रों के लिए उनके डिग्री कोर्स के अंतिम वर्ष में 2 शीर्ष छात्रों के लिए दो पुरस्कार, क्रमशः 2/3 और 1/3 का अनुपात।
श्री सतपाल बंसल मेमोरियल स्कॉलरशिप सोनाली गर्ग द्वारा गठित) (डॉ.	बी.ए (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष का सर्वश्रेष्ठ छात्र
श्रीमती सविता मिश्रा स्मृति पुरस्कार डॉ. कुमारी प्रियंका, (गणित विभाग, शिवाजी कॉलेज) द्वारा उनकी माँ की स्मृति में स्थापित किया गया	B.Sc (ऑनर्स) गणित की एक छात्रा को सम्मानित किया गया, जो स्नातक डिग्री कोर्स के अपने 6 वें सेमेस्टर तक उच्चतम अंक प्राप्त करती है
सुश्री संतोष दुग्गल-अपने माता-पिता की स्मृति में छात्रवृत्ति	बी.ए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों के टॉपर्स को सम्मानित किया गया
डॉ. सर्वेश कुमार दुबे नकद पुरस्कार	एक छात्र के लिए जिसने एमए हिंदी अंतिम वर्ष की परीक्षा में कॉलेज के सभी पेपरों में पहला% अंक प्राप्त किया है।
शंकर मजूमदार द्वारा अपने चाचा स्वर्गीय डॉ. आर. एम. पाल और उनके बड़े भाई स्वर्गीय श्री एन.सी.	बी.ए (ऑनर्स) इतिहास अंतिम वर्ष की एक छात्रवृत्ति, जो स्नातक डिग्री कोर्स के अपने 6 वें सेमेस्टर तक उच्चतम अंक प्राप्त करती है
इतिहास विभाग के प्रोफेसर खुर्शीद खान द्वारा स्थापित सुनील-भाई रवि छात्रवृत्ति	बी.ए (ऑनर्स) इतिहास अंतिम वर्ष के छात्र के लिए एक छात्रवृत्ति, जिसने अपने स्नातक स्तर की पढ़ाई में अधिकतम अंक प्राप्त किए।
दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति	दिल्ली विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष अक्टूबर के महीने में 250 रुपये प्रति माह की अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए एक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है, प्रत्येक तीन साल के लिए मान्य है। कम से कम 55% अंकों के साथ कोई भी ऑनर्स कोर्स छात्र निर्धारित प्रपत्र में 50 रुपये की परीक्षा फीस के साथ आवेदन कर सकता है

नियम

अध्यादेश XV-बी

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना :

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियों कुलपति में निहित हैं।
2. कुलपति सभी या ऐसी शक्तियां जो वह उचित समझे प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों को सौंप सकते हैं, जिन्हें वह इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकते हैं।
3. अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निम्नलिखित को अनुशासनहीनता का कार्य माना जाएगा:
 - (i) किसी भी संस्थान / विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी देना।
 - (ii) किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना।
 - (iii) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन करना।
 - (iv) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन करना।
 - (v) कोई भी प्रथा (मौखिक या अन्य कोई) जो महिलाओं का अपमान करने वाली हो।
 - (vi) किसी भी प्रकार से भ्रष्टाचार लाने या लाने का प्रयास।
 - (vii). संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश।
 - (viii) धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर द्वेष या असहिष्णुता पैदा करना।
 - (ix) विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना।
 - (x) अध्यादेश XV-सी के अनुसार रैंकिंग पर प्रतिबंध।
4. अनुशासन बनाए रखने से संबंधित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उसे उचित लगे, कुलपति अपने प्रयोग में ऐसा कर सकता है। उपरोक्त शक्तियाँ आदेश या निर्देश देती हैं कि कोई भी छात्र या छात्राएँ-
 - (i) निष्कासित की जाए।
 - (ii) एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जाए।
 - (iii) किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज, विभाग या संस्थान में किसी कार्यक्रम या अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
 - (iv) निर्दिष्ट रुपये की राशि का जुर्माना लगाया जाएगा।
 - (v) एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में भाग लेने से वंचित किया जाएगा: या संबंधित छात्र या छात्रा जिस परीक्षा में शामिल हुए हैं उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।
5. कॉलेजों के प्राचार्यों, संकायों के डीन, विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों के प्रमुखों, प्रिंसिपल, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और लाइब्रेरियन को अपने संबंधित कॉलेजों, संस्थानों में छात्रों पर ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा।, विश्वविद्यालय में संकाय और शिक्षण विभाग, जो संबंधित विभागों में संस्थानों, और शिक्षण के उचित संचालन के लिए आवश्यक हो सकते हैं, वे अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।
6. जैसा कि ऊपर कहा गया है, कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहां आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में कॉलेजों के प्राचार्यों, संकायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह स्वयं इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराए। प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश पर वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई अधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन प्रस्तुत करता है, जिनके पास अनुशासन का अभ्यास करने का अधिकार निहित हो सकता है।

रैगिंग के लिए निषेध और सजा

अध्यादेश XV-सी

- कॉलेज/विभाग या संस्थान के परिसर और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन पर किसी भी रूप में रैगिंग सख्ती से प्रतिबंधित है।
 - रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और इससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।
 - इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का मतलब सामान्यतः ऐसा कोई कार्य, आचरण या अभ्यास है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थिति को नए नामांकित छात्रों या उन छात्रों पर लागू किया जाता है जिन्हें किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा जूनियर या हीन माना जाता है: और इसमें व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएँ शामिल हैं
 - इसमें शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी शामिल है।
 - महिला छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।
 - अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन करना।
 - छात्रों का उपहास और अवमानना के लिए उजागर और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित।
 - इसमें मौखिक दुर्व्यवहार, आक्रमकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।
 - किसी कॉलेज के प्राचार्य, विभाग या संस्थान के प्रमुख, कॉलेज या विश्वविद्यालय छात्रावास या निवास हॉल के अधिकारी रैगिंग की घटना की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।
 - उपरोक्त खंड (4) में किसी भी बात के बावजूद, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी भी घटना की स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच कर सकता है और रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान और घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट कर सकता है।
 - प्रॉक्टर रैगिंग के अपराधियों की पहचान और रैगिंग घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।
 - यदि किसी कॉलेज के प्राचार्य या विभाग या संस्थान के प्रमुख या प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि किसी कारण से, लिखित रूप में दर्ज किए जाने पर, इस तरह के अधर्म को पकड़ना उचित रूप से व्यावहारिक नहीं है, तो वह कुलपति को सलाह दे सकते हैं।
 - जब कुलपति संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जाँच कराना समीचीन नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम होगा।
 - खंड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट की प्राप्ति पर या खंड (7) के तहत संबंधित प्राधिकारी द्वारा खंड 3 (ए), (बी) और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं का खुलासा करने वाले निर्धारण पर कुलपति किसी छात्र या छात्राओं को विशिष्ट वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश देगा।
 - कुलपति रैगिंग के अन्य मामलों में आदेश या निर्देश दे सकते हैं कि किसी भी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निश्चित अवधि के लिए कॉलेज में अध्ययन के कार्यक्रम में प्रवेश न दिया जाए, एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा को अनुमति न दी जाए या संबंधित छात्र या छात्राएँ जिस परीक्षा में शामिल हुए थे, उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।
 - यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने वाला कोई भी छात्र दोषी पाया जाता है: इस अध्यादेश के तहत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री को वापस लेने पर धारा 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।
 - इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, चाहे वह किसी कार्य, अभ्यास या रैगिंग के लिए उकसाना हो, भी रैगिंग की श्रेणी में आएगा।
 - दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थान इस अध्यादेश के तहत जारी किए गए निर्देशों को पूरा करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता देने के लिए बाध्य होंगे।
- नोट : अध्यादेश XV-सी के अनुसरण में कुलपति का आदेश जहां इस अध्यादेश के तहत किसी भी प्राधिकारी द्वारा रैगिंग की घटनाओं की सूचना कुलपति को दी जाती है, रैगिंग में छात्र को निष्कासित कर दिया जाएगा। रैगिंग की रिपोर्ट में शामिल गैर-छात्रों पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में नामांकन लेने से पांच साल की अवधि के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। जिन छात्रों के खिलाफ इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई है, उन्हें प्राकृतिक न्याय के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए निर्णय के बाद सुनवाई का मौका दिया जाएगा।

अध्यादेश XV-D

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (कानून और न्याय मंत्रालय) कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने और यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण और उससे जुड़े प्रासंगिक मामलों के लिए एक अधिनियम। महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन का एक उपकरण कन्वेंशन है। जिसे भारत की सरकार द्वारा 25 जून 1993 को अनुमोदित किया गया है, और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं की सुरक्षा के लिए उक्त कन्वेंशन को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान करना समीचीन है।

विवरण के लिए कृपया वेबसाइट देखें <https://www.du.ac.in/index.php?page=acts-statutes-and-ordinances>

अध्यादेश VIII-ई: आंतरिक मूल्यांकन [ईसी संकल्प संख्या 60-1/ (60-1-13) दिनांक 03.02.2023]

1. यूजीसीएफ 2022 के तहत सक्षम प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन के उद्देश्य से अपनाया जाने वाला मूल्यांकन पैटर्न इस प्रकार होगा:

(i) किसी भी पाठ्यक्रम में जहां 01 क्रेडिट ट्यूटोरियल' को दिया जाता है, एक वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन प्रक्रिया विकसित की जानी चाहिए क्योंकि एक पाठ्यक्रम में एक छात्र द्वारा अर्जित क्रेडिट अंततः ऐसे छात्र के अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में जमा हो जाएगा। इसलिए, यह जरूरी है कि छात्र द्वारा अर्जित प्रत्येक क्रेडिट का पर्याप्त मूल्यांकन किया जाए और उसके अनुसार रिकॉर्ड किया जाए।

(ii) उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, ट्यूटोरियल के घटकों को सूचीबद्ध किया गया है ताकि इनमें से कम से कम कुछ गतिविधियाँ (नीचे बिंदु संख्या 3 पर सूचीबद्ध) नियमों के अनुसार, शिक्षक के परामर्श से एक छात्र द्वारा सीखी जा सकें। इस उद्देश्य के लिए तैयार किया गया। संचालित गतिविधियों का सतत मूल्यांकन कर मूल्यांकन किया जायेगा।

(i) ट्यूटोरियल के घटक के रूप में की जाने वाली कुछ गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

- ◆ साहित्य समीक्षा
- ◆ पुस्तक समीक्षा
- ◆ मूवी समीक्षा
- ◆ परियोजना गतिविधि (समूह)
- ◆ अनुसंधान सह प्रस्तुति
- ◆ रचनात्मक लेखन/पेपर लेखन
- ◆ समूह चर्चा
- ◆ समस्या समाधान अभ्यास

20.02.23 को अद्यतन किया गया

- ◆ कोई भी रचनात्मक उत्पादन (समूह में किया जा सकता है)
- ◆ अभिनव परियोजना
- ◆ के अनुप्रयोग से संबंधित कोई अन्य शैक्षिक कार्य
- ◆ विषय की वैचारिक समझ।

(ii) इसके अलावा, ट्यूटोरियल के सतत मूल्यांकन के लिए आवंटित चालीस अंकों में से पांच अंक उपस्थिति के लिए होंगे, जिन्हें निम्नानुसार वितरित किया जाएगा।

- क) 67% से अधिक लेकिन 70% से कम उपस्थिति - 1 अंक
- ख) 70% से अधिक लेकिन 75% से कम उपस्थिति - 2 अंक
- ग) 75% से अधिक लेकिन 80% से कम उपस्थिति 3 अंक
- घ) 80% से अधिक लेकिन 85% से कम उपस्थिति 4 अंक
- ड) 85% से अधिक उपस्थिति 5 अंक

2. (i) आंतरिक मूल्यांकन (आईए) में कक्षा परीक्षणों, असाइनमेंट/प्रस्तुतियों और उपस्थिति में प्राप्त अंक शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, 25 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए, कक्षा परीक्षणों में 10 अंक, असाइनमेंट / प्रस्तुति में 10 अंक और उपस्थिति 5 अंकों की होगी। इसी तरह, 30 अंकों के आईए के लिए, 6 अंक उपस्थिति के लिए, 12 अंक क्लास टेस्ट के लिए और 12 अंक असाइनमेंट/प्रजेंटेशन के लिए होंगे।

(ii) उपस्थिति के लिए छह अंक निम्नानुसार वितरित किए जाएंगे:

(क) 67% से अधिक लेकिन 70% से कम उपस्थिति 1.2 अंक

(ख) 70% से अधिक लेकिन 75% से कम उपस्थिति 2.4 अंक

(ग) 75% से अधिक लेकिन 80% से कम उपस्थिति - 3.6 अंक

(घ) 80% से अधिक लेकिन 85% से कम उपस्थिति 4.8 अंक

(ङ) 85% से अधिक उपस्थिति 6.0 अंक

3. (i) आंतरिक मूल्यांकन एवं सतत मूल्यांकन को निष्पक्ष एवं तर्कसंगत बनाने के लिए प्रत्येक महाविद्यालय में आंतरिक मूल्यांकन हेतु तालिका 5 के अनुसार गठित निगरानी समिति को मजबूत करना आवश्यक है। (ii) विश्वविद्यालय के अध्यादेश VIII-ई के। यह समिति कॉलेज में आंतरिक मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार होगी, जिसमें शिकायतों का निवारण, यदि कोई हो, भी शामिल है। यही समिति सतत मूल्यांकन की प्रक्रिया पर भी गौर करेगी और यदि कोई शिकायत हो तो उसका निवारण भी करेगी।

(ii) कोई छात्र जो आंतरिक मूल्यांकन/निरंतर मूल्यांकन के संबंध में उसके द्वारा प्रस्तुत शिकायत के संबंध में कॉलेज की आंतरिक मूल्यांकन के लिए निगरानी समिति द्वारा लिए गए निर्णय से असंतुष्ट है, वह अपीलीय निकाय के समक्ष अपील दायर कर सकता है। कॉलेज के प्राचार्य, विभाग के शिक्षक-प्रभारी/वरिष्ठ संकाय सदस्य, संबंधित शिक्षक जिसने पीड़ित छात्र का मूल्यांकन किया है और इसकी अध्यक्षता कॉलेजों के डीन या निदेशक दक्षिण दिल्ली परिसर के नामांकित व्यक्ति द्वारा की जाएगी, जिसके अधिकार क्षेत्र में संबंधित है

4. सैद्धांतिक परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन सिद्धांत के साथ-साथ ट्यूटोरियल कक्षाओं में किए गए शिक्षण अधिगम का संचयी मूल्यांकन होगा।

5. विभिन्न क्रेडिट वितरण के पाठ्यक्रमों के लिए मूल्यांकन पैटर्न तालिका 1 में प्रदान किया गया है।

6. कुल चार क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए प्रैक्टिकल अंक शामिल होंगे।

(i) सतत मूल्यांकन (25%)

(ii) अंतिम सत्र की व्यावहारिक परीक्षा (50%)

(iii) मौखिक (25%)

कुल दो क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए व्यावहारिक अंक शामिल होंगे।

(i) सतत मूल्यांकन (25%),

(ii) अंतिम सत्र की व्यावहारिक/लिखित परीक्षा (50%) और

(iii) मौखिक (25%)

7. एल टी पी संरचना के विभिन्न संयोजनों में कुल अंकों के अंतर को अंकों को ग्रेड में बदलने के लिए उचित रूप से तैयार किए गए फॉर्मूले के माध्यम से गणना की गई "भारित औसत" की मदद से सरेखित किया जाएगा।

8. "मूल्यांकन के निरंतर तरीके के लिए उपस्थिति की आवश्यकता विश्वविद्यालय के अध्यादेश VII के अनुसार होगी"।

9. छात्रों को अपने ग्रेड में सुधार करने में सक्षम बनाने के लिए, निम्नलिखित को अपनाया जा सकता है।

पाठ्यक्रम/कागज में प्राप्त ग्रेड	थ्योरी में प्राप्त ग्रेड	प्राैक्टिकल में प्राप्त ग्रेड / अनुशिक्षण-कक्ष	पुनः पंजीकरण करें	कोर्स ग्रेड में सुधार के लिए कार्रवाई
F	संतुष्ट नहीं*	संतुष्ट	नहीं	आवश्यक पाठ्यक्रम / पेपर को दोहराने के लिए उस कीअंतिम अवधि सैद्धांतिक परीक्षा में उपस्थित होना
F से अधिक	संतुष्ट नहीं*	संतुष्ट	नहीं	सुधार के लिए उस पाठ्यक्रम/पेपर की अंतिम अवधि सैद्धांतिक परीक्षा में उपस्थित होना
F से अधिक	संतुष्ट नहीं (IA अंक संतुष्ट)	संतुष्ट	नहीं	एंड टर्म थ्योरी परीक्षा में शामिल होने के लिए उस पाठ्यक्रम/कागज सुधार के लिए
F से अधिक	IA सहित संतुष्ट नहीं	संतुष्ट	हाँ	पाठ्यक्रम में भाग लेने और आई ए में सुधार के लिए और अंतिम अवधि सैद्धांतिक परीक्षा के लिए उपस्थित होने के लिए
F से अधिक	संतुष्ट	संतुष्ट नहीं*	हाँ	पाठ्यक्रम में भाग लेने और अपने सीए के साथ सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए और सुधार के लिए आईए।

10. *संतुष्ट नहीं, सिद्धांत/प्राैक्टिकल के लिए निर्धारित उत्तीर्ण अंकों से कम ग्रेड दर्शाता है।

2022-2023 तक स्नातक होने वाले छात्रों के लिए अंकों का अंतिम प्रतिशत (%) की गणना ग्रैंड सीजीपीए (संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत) को 10 के कारक से गुणा करके की जाएगी।

तालिका-1

कुल क्रेडिट	L	T	P	एंड टर्म थ्योरी परीक्षा के अंक	आंतरिक मूल्यांकन (आई ए अंक)	थ्योरी परीक्षा और आई ए का कुल योग	थ्योरी परीक्षा की अवधि	अनुशिक्षण कक्ष	व्यावहारिक अंक				कुल अंक
									सीए	सीए	अंतिम अवधि प्रैक्टिकल/ लिखित परीक्षा	ट्यूटोरियल	
4	3	1	0	90	30	120	3 घंटे	40	0	0	0	0	160
4	3	0	1	90	30	120	3 घंटे	0	10	20	10	40	160
4	0	0	4	0	0	0	लागु नहीं	0	40	80#	40	160	160
4	1	0	3	30	10	40	1 घंटा	0	30	60	30	120	160
4	2	0	2	60	20	80	2 घंटा	0	20	40	20	80	160
2	1	0	1	30	10	40	1 घंटा	0	10	20**	10	40	80
2	0	0	2	0	0	0	लागु नहीं	0	20	40**	20	80	80
2	2	0	0	60	20	80	2 घंटा	0	0	0	0	0	80

यदि किसी 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए कोई अंतिम अवधि की प्रैक्टिकल परीक्षा नहीं है, जिसमें केवल प्रैक्टिकल घटक है, तो यह अंक प्रैक्टिकल के सतत मूल्यांकन में जोड़ा जाएगा और प्रैक्टिकल के लिए सीए का कुल योग 120 होगा। दो क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के मामले में जिनमें व्यावहारिक घटक है, या तो अंतिम सत्र की व्यावहारिक परीक्षा होगी या अंतिम सत्र की लिखित परीक्षा होगी।

सीए सतत मूल्यांकन

आईए-आंतरिक मूल्यांकन

चिकित्सा प्रमाण पत्र

नियमितता के लिए दिए गए अंकों के क्रेडिट की गणना करते समय मेडिकल प्रमाणपत्रों को बाहर रखा जाएगा, हालांकि अध्यादेश VII.2.9 के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार परीक्षाओं में बैठने के लिए पात्रता की गणना के उद्देश्य से ऐसे प्रमाणपत्रों को ध्यान में रखा जाना जारी रहेगा। (ए) (ii).

पदोन्नति मानदंड

पदोन्नति मानदंड विश्वविद्यालय परीक्षाओं के लिए मौजूदा अध्यादेशों के अनुसार होंगे, जो संबंधित पाठ्यक्रमों पर लागू होते हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय परीक्षा के कुल योग और आंतरिक मूल्यांकन पर भी समान मानदंड लागू होंगे।

उत्तीर्ण प्रतिशत एवं पदोन्नति मानदंड

एक सेमेस्टर में किसी भी पेपर को पास करने के लिए आवश्यक न्यूनतम अंक सिद्धांत में 40% और व्यावहारिक में 40%, जहां भी लागू हो, होंगे। छात्र को अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में 40% और अंतिम सेमेस्टर परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन के पेपर में सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों के लिए अलग-अलग 40% अंक प्राप्त करने होंगे।

प्रथम वर्ष से द्वितीय वर्ष में पदोन्नति

एक छात्र पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष से दूसरे वर्ष तक पदोन्नति के लिए पात्र होगा, बशर्ते उसने प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के 50% पेपर एक साथ उत्तीर्ण कर लिए हों।

दूसरे वर्ष से तीसरे वर्ष में पदोन्नति

इसी प्रकार, एक छात्र (भाग I के परिणामों के बावजूद) पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष से तीसरे वर्ष में पदोन्नति के लिए पात्र होगा, बशर्ते उसने III और IV सेमेस्टर के 50% पेपर एक साथ पास कर लिए हों।

पदोन्नति मानदंडों को पूरा करने में असफल होना

जो छात्र पदोन्नति मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं (जैसा कि बिंदु 10 और 11 में बताया गया है) उन्हें संबंधित भाग में असफल घोषित किया जाएगा। हालांकि, उनके पास उन पेपरों में अंक बनाए रखने का विकल्प होगा जिनमें उन्होंने खंड 9 के अनुसार उत्तीर्ण अंक प्राप्त किए हैं।

परीक्षाओं में दोबारा शामिल होना

एक छात्र जिसे सेमेस्टर I/III/V के लिए निर्धारित पेपर में दोबारा उपस्थित होना है, वह केवल नवंबर/दिसंबर में होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं में ही ऐसा कर सकता है। जिस छात्र को सेमेस्टर II/IV/VI के लिए निर्धारित पेपर में दोबारा उपस्थित होना है, वह केवल अप्रैल मई में होने वाली परीक्षा में ही उपस्थित हो सकता है।

उत्तीर्ण पत्रों में पुनः उपस्थित होना

संबंधित पेपर में अपने पिछले प्रदर्शन को लिखने से पहले एक छात्र किसी सेमेस्टर के लिए निर्धारित किसी भी सैद्धांतिक पेपर में उपस्थित हो सकता है, यह केवल तत्काल बाद की सेमेस्टर परीक्षा में ही किया जा सकता है (उदाहरण के लिए, सेमेस्टर I परीक्षा के लिए निर्धारित पेपर में दोबारा उपस्थित होने वाला छात्र आगामी सेमेस्टर III परीक्षा के साथ ऐसा कर सकता है, न कि सेमेस्टर V के पेपर के साथ)।

भाग III उत्तीर्ण करने के बाद पुनः उपस्थित होना

एक उम्मीदवार जिसने भाग III (V और VI सेमेस्टर) के पेपर पास कर लिए हैं, पेपर में अपने पिछले प्रदर्शन को लिखने से पहले वह तुरंत बाद की परीक्षा में केवल एक बार V या VI सेमेस्टर के किसी भी पेपर में उपस्थित हो सकता है, (संबंधित, निर्धारित अवधि के भीतर)।

(नोट: इस श्रेणी के उम्मीदवार को किसी भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी)।

पुनः प्रकटीकरण के लिए परिणाम की तैयारी

किसी पेपर में दोबारा उपस्थित होने की स्थिति में, परीक्षा में उम्मीदवार के वर्तमान प्रदर्शन के आधार पर परिणाम तैयार किया जाएगा।

विकल्प चुनने के बाद पुनः उपस्थित न होना

ऐसे उम्मीदवार के मामले में जो उपरोक्त प्रावधानों के तहत किसी भी पेपर में फिर से उपस्थित होने का विकल्प चुनता है, अपने पिछले प्रदर्शन को सरेंडर करने पर, लेकिन संबंधित पेपर में फिर से उपस्थित होने में विफल रहता है, उम्मीदवार द्वारा पहले पेपर में प्राप्त किए गए अंक वर्तमान में आयोजित परीक्षा के परिणाम का निर्धारण करते समय उन को ध्यान में रखा जाएगा जिनमें वह दोबारा उपस्थित होने में विफल रहा है।

प्रायोगिक परीक्षाएँ

प्रायोगिक परीक्षाओं में दोबारा उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

आंतरिक मूल्यांकन अंकों को आगे बढ़ाना

एक छात्र जो एक पेपर में दोबारा उपस्थित होता है, वह मूल रूप से दिए गए आंतरिक मूल्यांकन अंकों को आगे बढ़ाएगा।

गतिविधियों में भागीदारी के लिए विशेष विचार

किसी छात्र के मामले में जिसे एन.सी.सी. के सदस्य के रूप में चुना गया है। वार्षिक एन.सी.सी. में भाग लेने के लिए शिविर या नागरिक सुरक्षा कार्य या संबद्ध कर्तव्यों को पूरा करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है, या एक छात्र के मामले में जो राष्ट्रीय सेवा योजना में नामांकित है और संबंधित संस्थान के प्रमुख के अनुमोदन से या उसके द्वारा विभिन्न सार्वजनिक कार्यों के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है, या वह छात्र जिसे इंटर-यूनिवर्सिटी बोर्ड द्वारा आयोजित खेल या अन्य गतिविधियों में या कुलपति द्वारा अनुमोदित खेल और खेल में राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय फिक्स्चर में भाग लेने के लिए चुना गया है, या वह छात्र जिसे इंटर यूनिवर्सिटी में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने की आवश्यकता है युवा महोत्सव, या एक छात्र जिसे प्रादेशिक सेना में समय-समय पर प्रशिक्षण में भाग लेने की आवश्यकता होती है, या एक छात्र जिसे कॉलेज द्वारा इंटर कॉलेज खेल फिक्स्चर, बहस, सेमिनार, संगोष्ठी, या सामाजिक कार्य परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता है, या एक छात्र जिसे अन्य विश्वविद्यालयों में आयोजित वाद-विवाद और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों या कुलपति द्वारा अनुमोदित ऐसी अन्य गतिविधियों में संबंधित कॉलेज का प्रतिनिधित्व करना आवश्यक है, पर निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे:

- (I) ऊपर सूचीबद्ध श्रेणियों में एक छात्र को लचीलेपन के साथ लिखित असाइनमेंट और प्रोजेक्ट टर्म पेपर/सेमिनार/फील्डवर्क की आवश्यकता को पूरा करना होगा, हालांकि, यदि आवश्यक हो, तो उसे लिखित असाइनमेंट जमा करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जा सकता है।
- (II) ऊपर सूचीबद्ध श्रेणियों में एक छात्र, जो ऐसी गतिविधियों में भाग लेने के कारण हाउस परीक्षा/क्लास टेस्ट/क्विज लिखने में असमर्थ है, कॉलेज द्वारा वैकल्पिक मोड के माध्यम से मूल्यांकन किया जा सकता है। ऐसा केवल असाधारण परिस्थितियों में ही किया जा सकता है।
- (III) ऊपर सूचीबद्ध श्रेणियों में एक छात्र को अध्यादेश VII.2 के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार छूटी हुई कक्षाओं के लिए आंतरिक मूल्यांकन के लिए उपस्थिति का लाभ मिलेगा। (9) (ए) (आई)।

आंतरिक मूल्यांकन अंकों की समीक्षा और मॉडरेशन

विश्वविद्यालय के पास किसी भी कॉलेज/विभाग में किसी भी प्रश्नपत्र/प्रश्नपत्र में आंतरिक मूल्यांकन के अंकों की समीक्षा करने और यदि आवश्यक हो तो उन्हें मॉडरेट करने का अधिकार सुरक्षित है। यहां दी गई जानकारी हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार है। अधिक जानकारी के लिए कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in देखें।

उपस्थिति आवश्यकता

प्रत्येक छात्र को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में अपने पाठ्यक्रम के लिए अलग से कॉलेज में दिए गए कम से कम दो-तिहाई व्याख्यान और प्रैक्टिकल में भाग लेना आवश्यक है।

मेडिकल सर्टिफिकेट पर विचार

कॉलेज के प्राचार्य, प्रस्तुत किए गए मेडिकल प्रमाणपत्रों के आधार पर, उन छात्रों के असाधारण मामलों पर विचार कर सकते हैं जो गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे या किसी दुर्घटना का शिकार हो गए थे। विश्वविद्यालय के पास किसी भी कॉलेज/विभाग में किसी भी प्रश्नपत्र/प्रश्नपत्र में आंतरिक मूल्यांकन के अंकों की समीक्षा करने और यदि आवश्यक हो तो उन्हें मॉडरेट करने का अधिकार सुरक्षित है।

व्याख्यानों का बहिष्कार

उपरोक्त अध्यादेश VII.2. (9) (ए) (i) में विचार किए गए व्याख्यानों के बहिष्कार का लाभ, या तो अलग से या संयुक्त रूप से, किसी भी स्थिति में दिए गए व्याख्यानों की कुल संख्या के एक तिहाई से अधिक नहीं होगा। अधिक स्पष्टता के लिए, अध्यादेश VII से परामर्श लिया जाना चाहिए।

*यूजीसीएफ 2022-2023 योजना के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी आगे की अधिसूचना/संशोधन के अधीन।

पहचान पत्र

छात्रों को एक पहचान पत्र जारी किया जाता है, जिसे मांगे जाने पर उन्हें प्रस्तुत करना होता है। नए सत्र की शुरुआत में आई-कार्ड प्राप्त किए जा सकेंगे। इसे कॉलेज छोड़ते समय सरेंडर करना होगा। मूल पहचान पत्र के खो जाने/चोरी होने की स्थिति में, 100/-रुपये के भुगतान पर डुप्लिकेट कार्ड प्राप्त किया जा सकता है। इसकी रिपोर्ट करते हुए पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर भी दर्ज की जानी चाहिए। जमा की गई फीस के आहरण नियमों के साथ (छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे इस संबंध में अधिक अपडेट के लिए विश्वविद्यालय और कॉलेज की वेबसाइट देखें।)

1. जो छात्र कॉलेज छोड़ना चाहते हैं, उन्हें लाइब्रेरियन, एनसीसी अधिकारी, ओपीई, कैशियर और शिक्षक प्रभारी और विज्ञान प्रयोगशालाओं (विज्ञान के छात्रों के लिए) से क्लीयरेंस स्लिप प्रस्तुत करने पर कॉलेज छोड़ने का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इस आशय का कि उस पर कॉलेज का कुछ भी बकाया नहीं है। सुरक्षा प्रतिधारण अवधि सुरक्षा प्रतिधारण अवधि पाठ्यक्रम पूरा होने या बीच में पाठ्यक्रम छोड़ने के बाद दो साल तक है, जो भी लागू हो।
2. शुल्क एक माह बाद वापस कर दिया जाएगा।
3. जो छात्र अपना पंजीकरण वापस लेना चाहते हैं, उन्हें चेक जारी होने की तारीख से तीन महीने के भीतर भुना लेना चाहिए। चेक जारी होने के 3 महीने बाद अमान्य होने की स्थिति में कॉलेज कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए शुल्क संरचना

S.No.	Fee Heads (according to University)	Fee Heads (according to college)	B.A. (H) Courses B.A. (P), B.A. (H) English, Sanskrit, History, Eco., Hindi & Pol.Sci. & B.Com (P)	B.Com (Hons)	B.A.(Hons) Geography	All Science Course B.Sc (H) Botany, Zoology, Physics, Chemistry, Mathematics, B.Sc. Life Sci, Phy. Sci. with Chem. & B.Sc. Phy. Sci. with Computer	B.Sc. (Hons) Biochem.	M.A. Hindi, Sanskrit & Pol. Science	B.A. (Hons) Business Economics (BBE)
	Gen. Fund (A)								
1	Genral Fund (Tuition Fee + University Charges)	Tuition Fee	180	180	180	180	180	220	12000
2		University student Welfare Fund	250	250	250	250	250	250	250
3		Univ. Development Fund	1200	1200	1200	1200	1200	1200	1200
4		University Facilities and service charges	1250	1250	1250	1250	1250	1250	1250
5		Economically Weaker Section Support Univ. Fund	200	200	200	200	200	200	200
6		Delhi Univ. students Union Fund	40	40	40	40	40	40	40
7		Library Security Fee (PG)						1000	
		Total Fee Gen. Fund (A)	3,120	3,120	3,120	3,120	3,120	4,160	14,940
	Student Fund (B)	Student Fund (B)							
8	College Student Welfare	Academic Societies Fee, Conference, Seminars, Workshops, organising competition and Participants fee etc.	500	500	500	500	500	500	1,000
		Research promotion and Student Internship	800	800	800	800	800	800	800
		Admission Fee	50	50	50	50	50	50	50
		Alumni Fee	100	100	100	100	100	100	100
		Amenities charges	3,000	3,000	3,000	3,000	3,000	2,000	3,205
		Annual Day Fee	100	100	100	100	100	100	100
		Career Placement Fee	200	200	200	200	200	200	200

		College Students' Union Fee	100	100	100	100	100	100	100
		Counselor Fee	100	100	100	100	100	100	100
		Cultural Activities Fee	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,500
		E-Cell	100	100	100	100	100	100	100
		Eco Club	50	50	50	50	50	50	50
		Identity Card Fee	100	100	100	100	100	100	100
		Insurance Fee	100	100	100	100	100	100	100
		Magazine Charges	100	100	100	100	100	100	100
		Medical Charges	120	120	120	120	120	120	120
		NCC Fee	50	50	50	50	50	50	50
		NSS Fee	50	50	50	50	50	50	50
		Orientation Fee	20	20	20	20	20	20	20
		P.A.S.H	40	40	40	40	40	40	40
		Security Deposit (Refundable)	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000
		Sports Fee	300	300	300	300	300	300	300
		Students' Aid Fund	20	20	20	20	20	20	20
		Ted X	50	50	50	50	50	50	50
		Women Development Cell	300	300	300	300	300	300	300
		Total College Student Welfare	9,350	9,350	9,350	9,350	9,350	8,350	10,555
9	College Development Fund	Development Maintenance Charges	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500
		General Maintenance Charges							3,500
		Garden Maintenance Charges	500	500	500	500	500	500	500
		Web Maintenance Charges	200	200	200	200	200	200	200
		Total College Develop. Fund	5,200	5,200	5,200	5,200	5,200	5,200	8,500
10	College Facilities and services Charges	Library Fee	500	500	500	500	500	500	500
		Electricity Charges	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000
		Water Charges	800	800	800	800	800	800	500
		Lab. Fee (UGC)	—	—	—	120	120	—	—
		Lab. Maintenance Charges	—	—	1,000	2,000	3,000	—	—
		Computer Maintenance Fee	—	1,000	—	1,000	1,000	—	1,000
		Total College Facilities & Serv.	2,300	3,300	3,300	5,420	6,420	2,300	3,000
		Total Fee Student Fund (B)	16,850	17,850	17,850	19,970	20,970	15,850	22,055
		Total Admission Fee (A+B)	19,970	20,970	20,970	23,090	24,090	20,010	36,995



SHIVAJI COLLEGE

(Accredited with 'A' Grade by NAAC)

University of Delhi

Raja Garden, New Delhi – 110027

shivajicollege.ac@gmail.com